जेष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 164, पृष्ठ 8, मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | रविवार 10 जुलाई 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

अमरनाथ यात्रा: अब तक 16 की मौत, 35 घायल

पहलगाम और बालटाल बेस कैंप से आगे यात्रा रोकी गई

जम्मू-कश्मीर: अमरनाथ गुफा के पास बादल फटने से अब तक 16 लोगों की मौत हो गई है। सेना ने शनिवार सुबह फिर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। 35 घायलों को एयरलिफ्ट किया गया है। 45 लोग अभी लापता हैं और माउंटेन रेस्क्यू टीम उनकी तलाश में जुटी है। फिलहाल अमरनाथ यात्रा रोक दी गई है। पवित्र गुफा के पास रेस्क्यू पूरा होने और रूट की मरम्मत के बाद ही यात्रा शुरू होगी। जानकारी के मुताबिक प्रशासन ने शुक्रवार रात को ही यात्रा स्थगित कर दी थी। पहलगाम और बालटाल में बने बेस कैम्प से आगे किसी यात्री को जाने की इजाजत नहीं है। शनिवार सुबह बेस कैम्प के बाहर यात्रियों की जबरदस्त भीड़ जमा हो गई। सब यह जानना चाहते थे कि यात्रा दोबारा कब शुरू होगी, लेकिन प्रशासन की तरफ से उन्हें इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है।

हादसे के बावजूद श्रद्धालुओं में उत्साह: शुक्रवार को पवित्र गुफा के पास आए सैलाब के बावजूद अमरनाथ यात्रा के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं की हिम्मत में कोई कमी नहीं आई है। शुक्रवार की देर रात को जम्मू बेस कैंप से तीर्थयात्रियों का एक जत्था कश्मीर के बालटाल और पहलगाम बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। जम्मू से तीर्थ यात्रियों के 279 व्हीकल कॉन्वॉय में रवाना किए गए थे। हालांकि स्थानीय लोगों ने इसे प्रशासन का मिस मैनेजमेंट कहा है। उनका कहना है कि जम्मू के भगवतीपुर बेस कैंप में यात्रियों

की तादाद ज्यादा हो गई थी, इसलिए यात्रा स्थगित होने के बावजूद तीर्थ यात्रियों को बालटाल और पहलगाम के लिए रवाना कर दिया गया।

पवित्र गुफा के एक-दो किमी के दायरे में फटा बादल: अमरनाथ गुफा के पास शुक्रवार शाम 5 बजकर 30 मिनट बादल फटा था। जिस समय बादल फटा, उस समय गुफा के पास 10 से 15 हजार श्रद्धालु मौजूद थे। इस घटना में मरने वालों में 3 महिलाएं भी शामिल हैं।

आईटीबीपी ने बताया कि 15 हजार लोगों को पवित्र गुफा के पास से सुरक्षित पंचतरणी ले जाया गया है। बादल फटने के कारण पहाड़ों से तेज बहाव के साथ आए पानी से श्रद्धालुओं के लिए लगाए गए करीब 25 टेंट और दो से तीन लंगर बह गए। बारिश से पूरे इलाके में तेजी से पानी भर गया और कई लोग इसकी चपेट में आ गए। कई श्रद्धालु लापता हैं और उनके तेज बहाव में बहने की आशंका है।

अहमदाबाद में बादल फटने जैसे हालात

अहमदाबाद में मूसलाधार बारिश का ऐसा दौर शुरू हुआ, मानो बादल फट गए हों। सिर्फ दो घंटे में ही उस्मानपुरा इलाके में 9 इंच तो गोमतीपुर, विराटनगर और चकुडिया में 6 इंच पानी गिर गया। इससे शहर की सड़कें तालाब में बदल गईं और जगह-जगह लंबा ट्रैफिक जाम लग गया।

इधर, सूरत में भी शुक्रवार को जमकर बारिश हुई। दोपहर दो बजे शुरू हुआ बारिश देर रात तक चलता रहा। यहां दो घंटे में ढाई इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। जबकि उमरपाड़ा-महुआ तहसील में चार इंच बारिश हुई।

एमपी से गुजर रही मानसून की ट्रफ लाइन: मध्य प्रदेश में मानसून तय समय पर 16 जून को ही पहुंच गया था। मानसून की ट्रफ लाइन भी एमपी से होकर ही गुजर रही है।

बारिश से केदारनाथ यात्रा रुकी

केदारनाथ: देश के कई राज्यों में मानसूनी बारिश ने लोगों की परेशानी बढ़ दी है। शुक्रवार शाम को पवित्र अमरनाथ गुफा के पास बादल फटने के बाद 16 लोगों की जान चली गई, इसके बाद अमरनाथ यात्रा को रोक दिया गया। शनिवार को उत्तराखंड के सोनप्रयाग में भारी बारिश के बाद केदारनाथ यात्रा भी रोकी गई है। प्रशासन ने तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर यह फैसला लिया है। शुक्रवार को गुजरात के अहमदाबाद और सूरत में भारी बारिश हुई। इन शहरों में सड़कें डूब गईं और कई इलाकों में पानी भर गया। बारिश से जामनगर और कच्छ में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। मध्य प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में पिछले तीन दिन में बिजली गिरने से 16 लोगों की मौत हो गई।

श्रीलंका: आवास छोड़ परिवार सहित भागे राष्ट्रपति गोटबाया

अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगाया गया, सेना भी हाई एलर्ट पर

कोलंबो: तमाम कोशिशों के बावजूद श्रीलंका को संकट से बाहर न निकाल पाने वाले राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के खिलाफ जनता ने बगावत कर दी है। भारी संख्या में प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति आवास घेर कर तोड़फोड़ की। जनाक्रोश देखकर राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे परिवार सहित घर छोड़कर भाग गए हैं। जानकारी के मुताबिक श्रीलंका में आर्थिक हालात से त्रस्त प्रदर्शनकारियों ने शनिवार को राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के आवास को घेर लिया। जनाक्रोश को भांप कर राष्ट्रपति राजपक्षे परिवार समेत अपने आवास को छोड़ कर भाग गए हैं। श्रीलंका के रक्षा सूत्रों की ओर से राष्ट्रपति राजपक्षे के भागने की पुष्टि की गयी है। उल्लेखनीय है कि दो माह पूर्व 11 मई को तत्कालीन प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे को भी इसी

जनाक्रोश का सामना करना पड़ा था। तब उग्र भीड़ द्वारा सरकारी आवास घेर लिये जाने पर महिंदा राजपक्षे को भी परिवार के साथ घर छोड़कर भागना पड़ा था। श्रीलंका में लगातार बिगड़ते आर्थिक संकट के लिए राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को जिम्मेदार मानकर उनके इस्तीफे की मांग की जा रही है। इसके लिए श्रीलंका में सरकार विरोधी रैली चल रही है। शनिवार को गुस्साए लोगों की भीड़ ने कोलंबो स्थित राष्ट्रपति आवास को घेर लिया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने आवास पर जमकर तोड़फोड़ की।

इससे पहले शुक्रवार को श्रीलंका में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगाकर सेना को हाई अलर्ट पर कर दिया गया था। पुलिस प्रमुख चंदना विक्रमरत्ने ने कहा कि राजधानी और उसके आसपास के इलाकों में शुक्रवार रात नौ बजे से कर्फ्यू लगा दिया गया है। उन्होंने बताया कि हजारों सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति को सत्ता से हटाने के लिए शुक्रवार को कोलंबो में प्रवेश किया था, जिसके बाद कर्फ्यू का फैसला लिया गया।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पद संभालने के बाद पहली बार दिल्ली पहुंचे। यहां उन्होंने डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के साथ राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से शिष्टाचार भेंट की।

महाराष्ट्र: बकरीद पर गोवंश की कुर्बानी बर्दाश्त नहीं

मंबई: महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने बकरीद को लेकर राज्य के डीजीपी को सख्त निर्देश दिए हैं। स्पीकर ने डीजीपी को पत्र लिखकर कहा कि सुनिश्चित करें, बकरीद पर किसी गोवंश का कत्ल न हो। गोवंश का मांस बेचने वाले और रखने वाले को पांच साल तक की जेल और दस हजार तक का जुर्माना हो सकता है। नार्वेकर हाल ही में एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस सरकार में विधानसभा स्पीकर बने हैं। बकरीद नजदीक आते ही गोवंश की कुर्बानी का मुद्दा गरमा गया है। 7 जून को कुछ लोग मुंबई के देवनार में एक ट्रक में गोवंश को लेकर देवनार बूचड़खाने गए थे। जानकारी मिलते ही पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए ट्रक को जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद कोंकण प्रान्त के विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओ ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर गोवंश हत्या बंद करवाने की मांग की है।

बीजेपी-शिवसेना सरकार ने गोहत्या पर लगाया था प्रतिबंध: महाराष्ट्र में गोहत्या अपराध है। बीजेपी-शिवसेना की गठबंधन वाली सरकार ने इस पर प्रतिबंध लगाया था। नूपुर शर्मा के बयान के बाद देशभर में तनाव का माहौल बन गया था।

झारखंड के जामताड़ा में संडे की जगह फ्राइडे को अघोषित छुट्टी, शिक्षा विभाग बेखबर

शुक्रवार को जुमा है बंद कीजिए

रांची/जामताड़ा: झारखंड के एक स्कूल में मुस्लिम आबादी के कारण प्रार्थना बदलने और बच्चों के हाथ जोड़ कर प्रार्थना करने से रोकने के बाद एक और मामला सामने आया है। जामताड़ा में लगभग 100 सरकारी स्कूल ऐसे हैं, जहां मुस्लिम आबादी बढ़ते ही साप्ताहिक अवकाश रविवार से बदलकर शुक्रवार कर दिया गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि वह जुमे का दिन है। न तो विद्यार्थी आते हैं और न ही शिक्षक। बाकायदा स्कूल की दीवार पर भी शुक्रवार को जुमे के दिन के रूप में परिभाषित किया गया है।

प्रधानाध्यापक और शिक्षकों पर बनाया गया दबाव: यह तस्वीर जिले के अधिकांश वैसे इलाकों की हैं, जहां अल्पसंख्यकों की आबादी ज्यादा है। उन इलाकों में स्थानीय लोगों ने स्कूलों में अपने मुताबिक छुट्टी का दिन तय कर दिया है जिसे मानने के लिए स्कूल प्रशासन भी विवश है। ग्रामीण प्रधानाध्यापक और शिक्षकों पर दबाव बनाकर रविवार की बजाय शुक्रवार जुम्मा की साप्ताहिक छुट्टी घोषित करवा चुके हैं। इतना ही नहीं स्कूलों के नाम के आगे उर्दू शब्द को लिखा

गया है।

जामताड़ा डीएम बोले- शिक्षा विभाग से पता कीजिए: जिन स्कूलों में मुस्लिम बच्चों की संख्या ज्यादा है। वहां के आस-पास के गांव के रहने वाले युवक लगातार स्कूल प्रबंधन पर दबाव बनाते हैं। यह सिलसिला लंबे समय से चल रहा है।

हालांकि, यह अभी साफ नहीं हो पाया कि कब से स्कूलों में जुम्मा के दिन छुट्टी दी जा रही है। प्राथमिक विद्यालय ऊपर भिठरा के नाम के आगे उर्दू लगाया गया है।

देश का भविष्य युवाओं के उद्यम और दृढ़ संकल्प पर निर्भर: राष्ट्रपति

नई दिल्ली: राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने शनिवार को कहा कि युवा किसी भी देश का वर्तमान और भविष्य दोनों होते हैं। उनकी प्रतिभा और क्षमता देश को गौरवान्वित करने में विशेष भूमिका निभाती है। अतः यह कहना उचित होगा कि आज का युवा कल का इतिहास निमार्ता है। राष्ट्रपति ने 'माय होम इंडिया' द्वारा आयोजित युवा सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हम जानते हैं कि दुनिया में किशोरों और युवाओं की सबसे बड़ी आबादी भारत में है। इसे 'जनसांख्यिकीय लाभांश' कहा जाता है जो हमारे देश के लिए एक अवसर है। हमें इस अवसर का लाभ उठाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने चाहिए। हमारा उद्देश्य होना चाहिए कि हमारे युवा देश के विकास और प्रगति में अधिकतम योगदान दें। हमारे देश का भविष्य युवाओं के उद्यम और दृढ़ संकल्प पर निर्भर करता है। राष्ट्रपति ने कहा कि यह हम सभी के लिए बड़े गर्व की बात है कि भारतीय युवाओं ने अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत से कई स्टार्टअप की नींव रखी है। आज का युवा जॉब सीकर नहीं बल्कि जॉब क्रिएटर बनने की राह पर है। यह बहुत महत्वपूर्ण है ।

तिरंगा लेकर निकाला मार्च, नारा लगाया- देश संविधान से चलेगा, शरीयत या जिहाद से नहीं

उदयपुर-अमरावती हत्याकांड: दिल्ली में हिंदू संगठनों का प्रदर्शन

नई दिल्ली: उदयपुर और अमरावती हत्याकांड के विरोध में दिल्ली में शनिवार को विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) समेत कई हिंदू संगठनों का धरना प्रदर्शन किया। हिंदू संगठन के लोगों ने तिरंगे के साथ प्रदर्शन मंडी हाउस से शुरू किया, जो जंतर मंतर पर जाकर समाप्त हुआ। इस मार्च को संविधान संकल्प मार्च का नाम दिया है। संगठन के लोगों ने मार्च के दौरान 'देश संविधान से चलेगा, शरीयत या जिहाद से नहीं' का नारा भी लगाया। इस मार्च में भाजपा नेता तजिंदर पाल सिंह बग्गा और कपिल मिश्रा भी शामिल हुए। वहीं उत्तरी दिल्ली के पूर्व मेयर अवतार सिंह ने कहा कि इस 'संकल्प मार्च' के लिए आज कई हिंदू समूह सड़कों पर हैं। हम यहां

हिंदुओं पर हमलों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए हैं। उन पर तरह से निशाना या हमला नहीं किया जा सकता है। निशाना बनाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

राज्य के कई रास्ते बंद कर दिए गए: इधर मार्च के कारण मध्य दिल्ली में कई सड़कों को बंद कर दिया गया है। इसे लेकर ट्रैफिक पुलिस ने सोशल मीडिया पर यात्रियों को सिकंदरा रोड, बाराखंभा रोड, कोपरनिकस मार्ग, फिरोज शाह रोड, भगवान दास रोड, कस्तूरबा गांधी मार्ग, टॉलस्टॉय मार्ग, संसद मार्ग से बाहरी सर्किल कनॉट प्लेस से पटेल चौक और जनपथ तक रास्ता बंद होने का अलर्ट भी जारी किया।

नूपुर शर्मा के समर्थन में पोस्ट करने पर हुई हत्या: पहले उदयपुर में कन्हैयालाल के नूपुर शर्मा के समर्थन में पोस्ट करने पर उनकी हत्या कर दी गई थी। इसके कुछ दिनों बाद ही अमरावती में उमेश कोल्हे के फेसबुक पर नूपुर शर्मा को सपोर्ट करने पर उनकी भी हत्या कर दी गई।

भारत में मंकीपॉक्स का संदिग्ध मरीज

कोलकाता: पश्चिम बंगाल के कोलकाता में मंकीपॉक्स का पहला संदिग्ध मरीज पाया गया। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि युवक हाल ही में एक यूरोपीय देश से भारत लौटा है। शुरूआती लक्षणों को देखने के बाद आशंका जताई जा रही है कि यह भारत में मंकीपॉक्स का पहला मामला हो सकता है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा नहीं की गई है। युवक के शरीर पर उभरे दानेः स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि युवक पश्चिम मिदनापुर का रहने वाला है। उसके शरीर पर उभरे हुए दाने व दूसरे लक्षण दिखने के बाद

उसे प्राइवेट अस्पताल के आइसोलेशन वॉर्ड में भर्ती कर दिया गया। जांच के लिए मरीज के ब्लड सैंपल्स और दानों में भरे तरल पदार्थ के सैंपल्स नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, पुणे भेजे गए हैं। अब टेस्ट रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति साफ हो पाएगी।

परिवार को भी अलर्ट किया गया: फिलहाल युवक के परिवार को भी अलर्ट कर दिया गया है। साथ ही उन्हें भी जांच रिपोर्ट आने तक आइसोलेशन में रहने के लिए कहा गया है। अधिकारियों का कहना है कि चूंकि छात्र यूरोप से लौटा है, इसलिए वे कोई भी जोखिम नहीं उठा रहे हैं।

इससे पहले भी मिल चुका संदिग्ध मरीजः जून माह की शुरूआत में उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में एक 5 साल की बच्ची में मंकीपॉक्स जैसे लक्षण देखने को मिले थे, जिसके बाद उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती किया गया था। हालांकि, बाद में बच्ची की टेस्ट रिपोर्ट नेगेटिव आई थी।

खबर संक्षेप

युवक ने तीन युवकों के साजिश से किशोरी का किया अपहरण

मऊआइमा। किशोरी को एक युवक अपहरण कर ले गया। जिसमें तीन युवक साजिश किए हुए थे। पुलिस ने चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है ।मिली जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम किरांव निवासी एक व्यक्ति का आरोप है कि उसकी 17 वर्षीय पुत्री को एक युवक अपहरण कर ले गया। किशोरी को अपहरण कराने में तीन युवक साजिश रचे। किशोरी के पिता ने बताया कि युवक अपने मौसी के घर आता जाता था ।किशोरी के पिता ने मऊआइमा थाने में विपिन कुमार ग्राम बासी थाना रानीगंज प्रतापगढ़ तथा तथा ग्राम किरांव के साजिश करने वाले शिवा ,अश्वनी ,आशीष कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। सरकारी भूमि पर रोकने के बावजूद कब्जा करने पर लेखपाल ने दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। मिली जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम जोगापुर में सरकारी भूमि पर कब्जा करने का विरोध करने के बावजूद नहीं माने। ग्राम जोगापुर के लेखपाल ने प्रेमचंद्र मऊआइमा थाने में बच्चू लाल पुत्र श्रीराम ,धर्मेन्द्र पुत्र बच्चू लाल के खिलाफ लोक संपत्ति क्षति के तहत मुकदमा दर्ज करा दिया है।

सिरसा छतवा गंगा घाट पर गंगा स्नान करने गए 2 छात्र गंगा में डूबे

घर में कोहराम, डूबे छात्रों की तलाश जारी, एनडीआरएफ की बुलाई गई टीम

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। मेजा थाना क्षेत्र सिरसा चौकी अंतर्गत सिरसा छतवा गंगा घाट पर स्नान के दौरान दो छात्र डूब गए जिससे हड़कंप मचहुआ है। सूचना पर पहुंची इलाकाई पुलिस स्थानीय लोगों की मदद से तलाश में जुटी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार मेजा थाना क्षेत्र के रामनगर निवासी सुरेश पटेल का 12 वर्षीय बेटा हर्ष पटेल व सुखदेव पटेल का 12 वर्षीय बेटा आलोक पटेल दोनों दोनों रामनगर स्थित एक विद्यालय में कक्षा छह के छात्र हैं। शनिवार सुबह छतवा गंगा घाट पर स्नान करने गए थे कि गंगा स्नान के दौरान गहरे पानी में डूब गए। जिससे हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों की जानकारी पर परिजन भी पंहुच गए। सुचना पर पंहुचे मेजा थाने के सिरसा पुलिस चौकी प्रभारी जगदीश प्रसाद व दरोगा अमृत जायसवाल ने मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से तलाश में जुट गए। वहीं सिरसा पुलिस चौकी प्रभारी जगदीश प्रसाद ने बताया कि छात्रों की तलाश के लिए एनडीआरएफ की टीम बुलाई गई है। डूबे हुए दोनों बालक कक्षा छह के छात्र थे। परिजनों मे कोहराम मचा हुआ है। दोनों छात्रों की तलाश की जा रही है।

दो बाइक सवारों की आमने सामने हुई भिड़ंत, इलाज के दौरान एक की मौत दूसरा गम्भीर

अखंड भारत संदेश

जारी। प्रयागराज कौंधियारा थाना के अंतर्गत जारी पावर हाउस के समीप आमने सामने दो बाइक सवारों में भिड़ंत हो गई मिली जानकारी के अनुसार चन्दौली निवासी अजित यादव उम्र 32 वर्ष पुत्र बंसी लाल जारी डाक घर मे कर्मचारी है शनिवार सुबह कमरे से बाइक से जारी डाक घर जा रहे थे तभी सामने से तेज रफ्तार से बाइक सवार जारी सोनरा निवासी सोनू खान 22 वर्ष पुत्र मुनौवर खान आ रहा था जारी पावर हाउस पहुँचते ही दोनों बाइक सवारों में जोरदार भिड़ंत हो गई जिससे दोनों बाइक क्षतिग्रस्त हो गई अजीत यादव व सोनू गंभीर रूप से घायल गए थे सूचना पर पहुँची पुलिस व स्थानीय लोगो की मदद से घायल अजीत यादव को नजदीकी हॉस्पिटल में एड्मिट कराया गया गम्भीर रूप से घायल सोनू को निजी वाहन से स्वरूप रानी के लिए रिफर किया गया जहाँ हॉस्पिटल पहुँचते ही इलाज के दौरान सोनू खान की मौत हो गई

न्यूज झरोखा

बकरीद, कांवड़ यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने की अपील

जारी। कौंधियारा थाना क्षेत्र के जारी पुलिस चौकी परिसर में दिन शनिवार को धर्मगुरुओं, संभ्रांत व्यक्तियों के साथ पीस कमेटी की बैठक हुई। जिसमें कांवड़ यात्रा और बकरीद पर्व को शांतिपूर्वक संपन्न कराने में सहयोग करने की अपील की। जारी चौकी प्रभारी शैलेंद्र कुमार यादव ने कहा कांवड़ यात्रा व बकरीद का पर्व आ रहा है। दोनों पर्व को शांति पूर्वक संपन्न कराने में प्रशासन का सहयोग करें। कौंधियारा थाना प्रभारी विनोद कुमार सिंह ने भी कहा कि धर्मगुरुओं से बकरीद व कांवड़ यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने की अपील की। उन्होंने बकरीद पर प्रतिबंधित पशुओं की कुबार्नी न देने और कुबार्नी के बाद सोशल मीडिया पर फोटो अपलोड न करने की भी अपील की। इस अवसर पर व्यापार मंडल अध्यक्ष शिवराम अग्रहरि, बिहारी जायसवाल, सुबोध साहू कमलेश मिश्रा ,मनोज कुमार वर्मा ,राजेंद्र कुशवाहा , राम लखन श्रीवास्तव, मोहम्मद फारुख, इश्तियाक अहमद ,मुमताज अहमद सहित अन्य काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

एबीवीपी ने प्रतापपुर में मनाया 75 वां वर्षगांठ

प्रतापपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 75 वें वर्षगांठ पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुये परिषद के विभाग सह संयोजक शिव कुमार तिवारी तेजस्वी ने कहा कि विद्यार्थी परिषद राष्ट्रवादी विचार धाराओं का छात्र संगठन है हम लोग युगपुरुष स्वामी विवेकानंद के सपनों के भारत का पुर्ननिर्माण कर रहे है। पहले का भारत हमे लड़ जाने मिट जाने को कहता था किंतु आज का भारत हमे लड़ जाने मिट जाने को नही कहता आज का भारत हमे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने को कहता है। जब हम और आप मिलकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे तब भारत का पुनःनिर्माण होना सुनिश्चित होगा। पूर्व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुमित तिवारी ने कहा कि परिषद अपने संपूर्ण कार्यकाल में शिक्षा व समाज के लिये ऐसे बहुत से कीर्तिमान स्थापित किया जिसका सीधा लाभ आम जन मानस को मिल रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कालेज के प्रधानाचार्य मनोज आचार्य ने किया उन्होंने कहा की शिक्षा जीवन के लिये जीवन वतन के लिये इस विचार को हमे लेके चलना है अनुज विद्यार्थी ने सभी का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन सोशल मीडिया कार्यवाहक विवेक मिश्रा स्वामी ने किया।

जानलेवा हमले के दो वांछित गिरफ्तार

शंकरगढ़। शंकरगढ़ पुलिस ने जानलेवा हमले के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी सेननगर तिराहे से सटीक मुखबिरी पर की गई है। दोनों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लोहे की पाइप को बरामद कर लिया गया है। शंकरगढ़ थाने के सब इंस्पेक्टर ऋतुराज सिंह ने बताया कि 31 मई को क्षेत्र में स्थित राजकीय बालिका इंटर कालेज के पीछे रावण टोला कस्बा निवासी नेहरू पुत्र हीरालाल व शिवा पुत्र हीरालाल पर हुए कातिलाना हमले के मामले में धारा 147, 148, 149, 34, 324, 352, 506 के तहत केस दर्ज किया गया था। इस प्रकरण में गोपी धइकार (निवासी रावण टोला) और अनूप पुत्र लखन धइकार (निवासी उपरोक्त) की तलाश की जा रही थी। मुखबिर की सूचना पर दोनों को सेननगर तिराहे से गिरफ्तार कर लिया गया। बताया कि गोपी धइकार के खिलाफ तीन मामलों में एफआईआर और तीन मामलों की एनसीआर दर्ज है। गिरफ्तार करने वाली टीम में कांस्टेबल शशिकांत यादव, अनीष कुमार, रोहित कुमार आदि शामिल थे।

अनुवां जल निगम टंकी की मोटर जलने से सप्लाई से बंद

प्रतापपुर। प्रतापपुर क्षेत्र के अनुवां, नेदुला, जंघई में अस्सी के दशक में पूर्व मंत्री स्व. राजेन्द्री वाजपेयी व श्याम सूरत उपाध्याय के प्रयास से जलनिगम की तीन पानी की टंकी बनवाई गई थी और अंडर ग्राउंड पाइप डालकर क्षेत्र के दर्जनों गांवो में कनेक्शन देकर घर घर पानी की सप्लाई की जाती थी। लेकिन जल निगम की पाइप वर्षों पुरानी होने के कारण सड़कों एवं जमीन के नीचे चोक होने के साथ साथ सड़ कर टूट गई है जिसकी वजह से सप्लाई बंद है कुछ गाँव में दुषित पानी की सप्लाई हो रही है। लापरवाही व रख रखाव के अभाव एवं मरम्मत न होने से जलनिगम की मोटर, ट्रांसफार्मर अक्सर खराब हो जाता है। सप्लाई बंद होने से इन दिनों लोगों में आक्रोश है लेकिन उपरोक्त समस्याओं का निदान नजर नही आ रहा है जनप्रतिनिधि या सरकारी नुमाइंदा इन जनसमस्याओं से रूबरू ही नही होना चाहता जिसके कारण ग्रामवासी अपने को असहाय समझते है कि अपनी समस्या के क्रियान्वयन हेतु किसके पास जाए बार बार जलनिगम के कर्मचारियों को मरम्मत हेतु प्रार्थना पत्र दिया जाता है लेकिन कार्यवाही नही होती।क्षेत्र के अनुवां, भेलखा, जंघई, पिलखिनी, झारी, भुलेंद्र, बघेड़ी, चौका, पतवां, जलालपुर, नेदुला, रस्तीपुर, बजती, चम्पापुर, चनेथू, महरछा, हरिपुरपट्टी आदि गाँवो मे पानी की सप्लाई बंद है।

जल निगम का ट्रांसफार्मर एक सप्ताह से फुंका जल आपूर्ति ठप

जारी। विकास खंड जसरा के जारी जल निगम का एक सप्ताह से ट्रांसफार्मर फूंक गया है जिससे जल आपूर्ति ठप हो गयी है एक सप्ताह से लोग पीने के पानी के लिए दर दर भटक रहे है स्थानीय लोगो ने बताया कि आये दिन जल निगम की मोटर व ट्रांसफार्मर फूंका रहता है जो कि जारी बाजार में दो पानी बनी है जो कि जारी जल निगम में कर्मचारी ना होने से टंकी खाली पड़ी रहती है जिससे भीषण गर्मी में लोग पानी के लिए जद्दोजहद करते है जल निगम जेई नंद लाल ने बताया कि दो प्राइवेट कर्मचारी रखे गए है तीन पम्प है विभागीय अधिकारियों से विनोद कुमार , शुभम केशरवानी ,कल्याण जी, वीरेंद्र केशरवानी, बब्लू केशरवानी, अन्य लोगो की मांग है कि ट्रांसफार्मर बनवाकर ठप जल आपूर्ति फिर से चालू कराया जा सके।

एसडीएम, तहसीलदार व इंस्पेक्टर ने सुनी शिकायतें

मौके पर 8 शिकायतों का हुआ निस्तारण, बाकी के लिए टीमें गठित

अखंड भारत संदेश

रत्योरा/कोराव। शनिवार को थाना कोरांव में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 24 फरियादियों ने अपनी शिकायते दर्ज कराई। जिनमें आठ शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। थाना संपूर्ण समाधान दिवस में उप जिलाधिकारी शुभम श्रीवास्तव, तहसीलदार दिनेश कुमार वर्मा एवं इंस्पेक्टर धीरेंद्र सिंह ने आए हुए फरियादियों की शिकायतें सुनी और उनके निस्तारण हेतु टीमें गठित कर शीघ्र आख्या देने का निर्देश दिया गया। एसडीएम शुभम श्रीवास्तव ने कोरांव के पांच राजस्व निरीक्षकों को पांच पांच लोगों की टीम बनाकर अपने अपने क्षेत्रों में आए हुए मामलों में रिपोर्ट आख्या सायं 4 बजे तक प्रेषित करने का निर्देश दिया। जिसके क्रम में सभी राजस्व निरीक्षक अपने-अपने क्षेत्रों में टीमे लेकर रवाना हो गए। थाना समाधान दिवस में निस्तारित की गई शिकायतों में 3 पुलिस की तो 5 राजस्व की शामिल रहीं। प्राप्त शिकायतों में सर्वाधिक शिकायतें राजस्व विभाग की जमीनी विवाद से जुड़ी रही। जिसमें एसडीएम ने तत्काल निस्तारण कराने का निर्देश दिया है।

समाधान दिवस में लगा शिकायतों का अंबार

फूलपुर। गांवों में जमीनी विवाद के चलते बढ़ते मामलों के कारण समाधान दिवस में शिकायतकर्ताओं की भीड़ उमड़ने लगी है। वहीं मारपीट की घटनाओं में दर्ज मुकदमों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है। शनिवार को फूलपुर कोतवाली में लगे समाधान दिवस में फरियादियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए पुलिस को लाइन लगवाना पड़ा। थाना अध्यक्ष अमित कुमार राय के साथ ही पंकज भाष्कर,व जय नारायण यादव के साथ ही अन्य वरिष्ठ उपनिरीक्षकों ने फरियादियों की फरियाद सुन मामले के निस्तारण में जुटे रहे। जिनमें से अधिकांश मामले तो मौके पर ही निपट गए। कुछ में पुलिस व राजस्व विभाग की संयुक्त टीम को मौके पर निस्तारण के लिए दिया गया। इस अवसर पर उप निरीक्षक माजिद खान, निखिल कुमार, चौकी इंचार्ज विनय कुमार दुबे, राजेश वर्मा, आदि के अलावा लेखपाल व राजस्व निरीक्षक उपस्थित रहे।

अवधी गीतों में रचा-बसा है संस्कृति परम्परा का लोकरंग : अशोक

अखंड भारत संदेश

करछना। अवधप्रांत से जाने जाने वाले एक वृहद परिक्षेत्र में कभी लोकगीतों की समृद्ध परम्परा रही है। इन्हीं गीतों में हमारी लोक संस्कृति,संस्कार, लोकाचार,लोकपरंपरा और माटी का लोकरंग रचा बसा है। आज खड़ी बोली की आपाधापी में नई पीढ़ी को चाहिए कि सर्जना के स्तर पर ऐसे गीतों को सहेजते हुए अपनी पहचान कायम रखें। विगत कई वर्षों से आकाशवाणी और दूरदर्शन में बतौर प्रस्तोता माटी के गीतों के बदलते लोकरंग पर शोध कर रहे चर्चित हास्य कवि अशोक सिंह बेसरम ने ऐसे गीतों को सीमटने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि हमारे समाज में कभी पुजहाई, विवाह पुंसवन उपनयन, जनेऊ, सोहर, सोहाग, नेहछू, परछन, शगुन, माइन, माडौ, घाटो, सोहगैली, गारी, बेलनहाई, विदाई जैसे संस्कार गीतों के अलावा तेलियागीत, धोबियागीत, चंवरनाव, नौवाझक्कड़, चनैनी, पितमां, कंहरा, कहरउआ, मल्लहिया, घसियारा, कुलदहकी, पंचरा, पंवारा, बैसवारा खड़ी बिरहा, बंनजोरवा, सरौनी, जैसे जातिगत गीतों का चलन रहा है। इसके अलावा भी वर्षा ऋतु के मौसम में कजरी, रोपनी, झूमर आल्हा, पुरबी, मल्हार और बासन्ती मौसम में बसंती, उलार धमार, फगुआ, गलियारा, बारहमासा, डेढ़ताल, ढाईताल, चौताल, बेलवार, बेलवरिया, चैता चैती, जैसे बोली के लोकप्रिय गीतों में प्रेम, विरह, अनुहारमनुहार उल्लास रीति, प्रीति, नीति, राग, विराग का लोकरंग रचा बसा रहा। आज रीमिक्स के इस दौर में बीते 3 दशकों से पांवपसारते खड़ी बोली के गीतऔर फिल्मीधुन तर्ज पर बहकती युवा पीढ़ीअपने ऐसे गीतों की परंम्परा के प्रति बेपरवाह सी लग रही है। हालांकि बुजुर्ग लोक कलाकारों ने समय दर समय ऐसे गीतों की प्रस्तुतियों से अतीत की परंपरा को जरूर सहेजा है किंतु नई पीढ़ी के रचना धर्मी और लोक कलाकारों को चाहिए कि ऐसे गीतों की तालीम लेकर इन्हें संजीदा बनाए रखें जिससे आने वाले समय में अपने गीतों के अतीत की पहचान हमारे अवध की लोकसंस्कृति,पुरखों के संस्कारऔर अवधी बोली के लोकरंग को सहेजते भी अपनी पहचान कायम रख सके।

बूथ सशक्तीकरण अभियान के तहत लाभकारी योजनाओं की दी जानकारी : तुलसीदास

मेजारोड। मेजा में भाजपा के बूथ सशक्तीकरण कार्यक्रम के तहत काशी क्षेत्र के पदाधिकारी तुलसीदास राणा ने ग्रामीणों को सरकार की नीतियों और लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही पूछा कि योजना का लाभ सभी को मिल रहा या नहीं मिल रहा है।उन्होंने कहा कि भाजपा शासनकाल में योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के सबका साथ, सबका विकास,सबका विश्वास के तहत दिलाया जा रहा है जबकि गैर भाजपा शासन की सरकारों में सरकारी योजनाओं का लाभ चहेते लोगों तक ही सीमित रहता था।विधान सभा कोरांव क्षेत्र के मंडल अध्यक्ष कोहड़ार गोविंद मिश्र व कार्यकताओं के साथ मेजा के19,24 और 34 बूथों पर बैठक की और समस्याएं सुनी। उन्होंने कहा कि किसी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल अवगत कराएं।समस्याओं का हर हाल में निस्तारण कराया जाएगा। इस मौके पर प्रमुख रूप से सेक्टर प्रभारी योगेश जायसवाल,राकेश केशरी सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

सीओ कार्यालय के सामने आवारा पशुओं का जमावड़ा, लोग परेशान

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। क्षेत्र में आवारा पशु लोगों के लिए आफत बने गए हैं। मुख्य मार्गों पर दिन रात आवारा पशुओं का जमावड़ा लगा रहता है। इससे लोगों को आवागमन में दिक्कत होती है। हादसे का डर बना रहता है। जनता कई बार प्रशासन से इन पर अंकुश लगाने की मांग कर चुकी है पर ध्यान नहीं दिया जा रहा।क्षेत्र के विभिन्न बाजारों और चौराहों पर आवारा पशुओं का कब्जा जैसा हो गया है। कई बार ये आपस में भिड़ जाते हैं, तब मामला खतरनाक हो जाता है। इनकी वजह से कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं। आवारा पशु फल व खाद्य पदार्थों की दुकानों के आसपास घूमते रहते हैं और दुकानों पर मुंह मारते हैं । इनसे व्यापारी भी परेशान हैं। मुख्य मार्गों पर बनी दुकानों के सामने , बरामदे में पेशाब-गोबर कर देते हैं। वही नगर में आवारा कुत्तों का भी आतंक बरकरार है । ये राहगीरों व बाइक सवारों का पीछा करते हुए काटने को दौड़ते हैं । वर्चस्व के लिए लड़ते - झगड़ते हैं।बाजारों में कुछ ऐसे स्थान हैं जहां देखरेख के अभाव में खंडहर में तब्दील हो गया है। ऐसे स्थानों पर आवारा पशुओं ने अपना आश्रय स्थल बना रखा है।जबकि मेजा में ही गोवंश आश्रय स्थल बनाया गया है।इसके बावजूद यहां आवारा पशु लोगों के लिए आफत बने हुए हैं।और तो और मेजा में स्थित विभिन्न कार्यालयों के सामने आवारा पशु दिन भर डेरा डाले हुए रहते हैं।अधिकारी हैं कि इस विषय पर उनका ध्यान ही नही जाता।उनको तो

सिर्फ शिकायत मिले तभी अपना प्रभाव दिखाएंगे।इस मामले में कभी भी संबंधित को निर्देशित नही किया जाता।अभी गुरुवार को ही सीडीओ का दौरा गोवंश आश्रय स्थल मेजा में हुआ था और दो को डाट फटकार कर प्रतिकूल प्रविष्टि भी दिया।इसके बावजूद शुक्रवार को एक दर्जन से अधिक आवारा पशु सीओ कार्यालय के सामने डेरा डाले हुए थे और अधिकारी की कार्यवाही चल रही थी।समझने वाली बात यह है कि जो आवारा पशु सड़कों पर घूम रहे हैं।उनको गोवंश आश्रय स्थल में डालने की किसकी जिम्मेदारी है।फिलहाल व्यापारियों वी स्थानीय लोगों ने संबंधित अधिकारियों से आवारा पशुओं से निजात दिलाने की मांग की है।

माथे पर पसीना चिलचिलाती धूप, परिवार संग खेत में जुटे अन्न वीर

बादलों की बेरुखी से किसानों के माथे पर झलक रही चिंता की लकीरें भी....

अखंड भारत संदेश

सहसों। बादलों की बेरुखी से किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ दिखाई दे रही है। दिखाई दे भी क्यों नहीं दो दिन में ही छोड़ा गया नहर में पानी एकाएक एकदम कम हो गया। वर्तमान समय में किसान की मुख्य फसल धान की रोपाई अपने चरम पर है। परन्तु बादलों की बेरुखी, चिलचिलाती धूप के चलते किसान अपने आप को असहाय महसूस कर रहा है। वहीं पर नहरों में पानी तो छोड़ा गया परन्तु दो दिन बाद ही पानी का बहाव एकदम कम हो गया जिसके कारण किसान रोपाई के लिए परेशान और चिंतित हैं। पूर्व प्रधान राजकिशोर पाल, पूर्व प्रधान उमाशंकर कुशवाहा, डॉ श्याम लाल यादव, महाबली यादव महेंद्र कुमार यादव मुरलीधर मिश्र, जगदीश तिवारी, चंद्रभूषण तिवारी, जितेंद्र सिंह, मानिक चंद पटेल, राम सजीवन पटेल आदि किसान का कहना है कि धान की नर्सरी भी चिलचिलाती धूप के चलते सूखती जा रही है। वहीं पर हम लोगों की खेती नहर पर निर्भर होने के कारण दो दिन पूर्व पानी तो छोड़ा गया परन्तु पर्याप्त मात्रा में पानी नहर में न होने के कारण खेतों में नहीं जा पा रहा है। जिसके कारण रोपाई नहीं हो पा रही है। वहीं तेज धूप व गर्मी के चलते लगाए गए धान की फसल भी सूख रही है। अन्नदाताओं की मुख्य फसल समय से न हो पाने के कारण अच्छी फसल तथा अच्छा उत्पादन को लेकर किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खींची हुई है तथा दिन भर अपने परिजनों के साथ धान की नर्सरी तथा खेती तैयारी में इस उम्मीद से लगे हैं कि शायद बादल बरस जाए या फिर नहरों में भरपूर पानी आ जाए।

प्रतापपुर बजरंगदल संयोजक को मिली जान से मारने की धमकी

अखंड भारत संदेश

प्रतापपुर। सरायममरेज थानांतर्गत डडियवा छतौना गांव निवासी प्रखंड प्रतापपुर बजरंगदल संयोजक बृजेश यादव को मुस्लिम समुदाय के सोज्जन एवं अमजद जो उसी गांव के निवासी हैं दोनों पहले से ही बजरंगदल में होने के कारण बृजेश का विरोध करते रहते थे और आते जाते उन्हें अपशब्द भी कहते और अपने समाज के सामने उनका मजाक उड़ाते थे यही प्रतिदिन करते थे। सोज्जन और अमजद को बृजेश ने बहुत बार समझाया कि भाई हम एक गांव के हैं सुख दुख में हम ही एक दूसरे के काम आयेंगे परन्तु उनका यह रवैया चलता रहा। शुक्रवार को उक्त दोनों ने फिर वही अपशब्द बोलना और अपने पुराने रवैये के अनुसार गाली बकना शुरू कर दिया। बृजेश के मना करने पर 9 बजे के करीब सोज्जन अपने बेटे अमजद तथा और चार पांच लोगों के साथ हाथ में चाकू, सरिया, लाठी लेकर उनके घर पर आकर उन्हें और परिवार वालों को मां बहन की गंदी गंदी गालियां देते हुए परिवार सहित जान से मारने की धमकी दिया। कहा कि तुम यादव हो कायदे से रहो बहुत हिन्दू का सपोर्ट मत करो।यदि गांव में रहना है तो बजरंगदल छोड़ दो और शांति से गांव में रहो नहीं तो इसका अंजाम बहुत बुरा होगा तेरा भी हाल राजस्थान उदयपुर के कन्हैयालाल जैसा कर दूंगा।बृजेश यादव का कहना है कि कहीं मेरे एवं मेरे परिवार के साथ कुछ अनहोनी न हो जाए इसलिए सोज्जन,एवं अमजद तथा चार अज्ञात के खिलाफ संगठन के लोगों के साथ जाकर थानाध्यक्ष सरायममरेज तरुणेंद्र त्रिपाठी को सूचना दी और मुकदमा दर्ज कराया।

खबर संक्षेप

दुष्कर्म का वांछित आरोपी चढा पुलिस के हत्थे

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र की पुलिस ने लगातार प्रयास के बाद थाने में पंजीकृत दुष्कर्म मामले के वांछित को ब्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज शैलेश कुमार पाण्डेय द्वारा अपराधियो पर अंकुश लगाने तथा वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक यमुनापार सौरभ दीक्षित के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी करछना राजेश कुमार यादव के पर्वेक्षण में थानाध्यक्ष औद्योगिक क्षेत्र संजीव कुमार चौबे के कुशल नेतृत्व में उप निरीक्षक रामविलास व उप निरीक्षक प्रशिक्षु ब्रम्हेश मिश्रा अन्य फोर्स के साथ क्षेत्र में अपराधियो की तलाश कर रहे थे तभी खास सूचना पर मुंगारी चौराहे से थाने में पंजीकृत मुकदमा 90/22 के वांछित अभियुक्त लवकुश प्रसाद मौर्या पुत्र ऋषिराम निवासी रवनिका थाना करछना प्रयागराज को गिरफ्तार कर लिया जिसके बाद पुलिस ने कार्यवाही की।

आपा खोई अध्यापिका ने छात्र के मुंह मे डाला डंडा

एबीएसए उरुवा ने कार्रवाई के लिए जिलाधिकारी को लिखा पत्र, मामला उरुवा ब्लाक के प्राथमिक विद्यालय ओनौर का

अखंड भारत संदेश

मेजारोड। एबीएसए उरुवा ने कार्यवाई के लिए डीएम को लिखा पत्र मेजा रोड उरुवा ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय ओनौर में कार्यरत अध्यापिका ने गुस्से में एक छात्र को जमकर पीटा, इतने के वावजूद जब गुस्सा कम नही हुआ तो उसने छात्र के मुंह मे डंडा डाल दिया। जिससे छात्र को गंभीर चोट लगी। छात्र के भाई ने पुलिस से मामले की शिकायत दर्ज कराई और इस मामले में मेजा थाने में प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी है।ओनौर गांव निवासी अनिल कुमार प्रजापति का बेटा अंकित गांव के ही प्राथमिक विद्यालय में कक्षा दूसरी का छात्र है। स्कूल की अध्यापिका रोशनी मिश्रा किसी बात को लेकर अंकित पर नाराज होकर उसे थप्पड़ से पीटती रही । गुस्से में वेकाबू अध्यापिका इतने पर भी शांत नहीं हुई, तो उन्होंने डंडा उठाया और अंकित के मुंह में घुसा दिया। जिससे अंकित के गले में गंभीर चोट लग गई । जिसकी शिकायत पुलिस से करते हुए अंकित के भाई प्रभात कुमार ने शिक्षिका के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। वहीं थानाध्यक्ष मेजा धीरेंद्र सिंह ने बताया कि मामले में आरोपी शिक्षिका के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल शिक्षिका द्वारा छात्र के साथ की गई बर्बरता क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी रही। वह शनिवार को खंड शिक्षा अधिकारी विद्यालय पहुंचकर मामले को सुलह समझौते के साथ रफा-दफा करने में जुटे रहे।

ग्रामीणों की पिटाई से चोर की इलाज के दौरान मौत

बारा। बारा थाना क्षेत्र के उमापुर गांव में चोरी की नियत से घुसे चोर को ग्रामीणों ने पकड़ लिया चोर ने अपना निशाना राकेश भारतीय के घर को बनाया था बीती रात 2:00 बजे के आसपास चोर राकेश कुमार भारतीय निवासी उमापुर के घर में चोरी की नियत से घुसा खतर पटर की आवाज सुनकर घर के लोग जग गए और हल्ला शुरू कर दिया चोर डर कर भागने लगा उसको पकड़ने की कोशिश में अजय कुमार पुत्र राम लखन घायल हो गया चोर ने अजय पर चाकू से हमला कर दिया लेकिन ग्रामीणों ने चोर को धर दबोचा और पिटाई शुरू कर दी सूचना मिलने पर पहुंची बारा पुलिस ने चोर युवक को इलाज के लिए स्वरूप रानी अस्पताल में भर्ती करवाया जहां आज दिन में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है बारा पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रोडवेज की टक्कर से युवक की मौत, घर में कोहराम

मेजा रोड। इलाकाई थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग 76 के पांती गांव के समीप रोडवेज बस की टक्कर से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस कार्रवाई में जुट गई। बता दे कि राष्ट्रीय राजमार्ग 76 पर पांती गांव के समीप मिजार्पुर की तरफ से आ रही तेज रफ्तार अनियंत्रित परिवहन विभाग की बस सड़क किनारे पैदल चल रहे युवक को टक्कर मार दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे थाना प्रभारी मेजा धीरेंद्र कुमार सिंह व चौकी प्रभारी मेजारोड राम भवन वर्मा पुलिस बल के साथ शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई में जुट गए। मृतक युवक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। मौके पर मौजूद रहे लोगों ने मृतक को मानसिक रूप से बीमार बताया। फिलहाल युवक कहां का है यह शिनाख्त नहीं हो पाई।

न्यूज झरोखा

दबंगों ने पड़ोसी के मेड को काटकर खेत में मिलाया पीड़ित ने पुलिस से की शिकायत

करछना। थाना अंतर्गत बस्तर गांव के मजरा हौज कटोरवा में पड़ोसियों ने दबंगई के बल पर मेड को काटकर जबरन अपने खेत में मिला लिया। जानकारी होने पर पीड़ित ने मौके पर पहुंचकर विरोध किया तो वह सभी मारपीट करने पर आमादा हो गए । बता दें कि उक्त गांव निवासी दिलीप कुमार पुत्र राज बहादुर पटेल ने पुलिस से शिकायत करते हुए बताया है की उनके खेत के बगल दो सगे भाई हिंछलाल व विशम्भर लाल का खेत है। जिनके द्वारा बीते वर्ष खेत का 4 फीट गहरा मिट्टी निकलवा लिया गया था। खेत ऊंचा होने के कारण मिट्टी का कटान रोकने के लिए पड़ोसी दिलीप पटेल पुत्र राज बहादुर ने अपने खेत के कुछ हिस्सा जमीन को छोड़कर मेड बंदी कराया था। जिससे मिट्टी का कटान न हो सके और पानी को खेत में रोका जा सके। लेकिन पड़ोसी मान सिंह पटेल, विजय सिंह पटेल पुत्र हिंछ लाल, ज्ञान सिंह पुत्र विशंभर ने घर के अन्य कई सदस्यों के साथ खेत में फावड़ा लेकर पहुंचे। जिसके बाद पड़ोसी के द्वारा छोड़ी गई जमीन को काटकर खेत में मिलाने लगे। जिसकी जानकारी होने पर दिलीप मौके पर पहुंच कर मेड़ काट रहे लोगों का विरोध किया। लेकिन दूसरे पक्ष के लोगों ने एक ना सुनी और गाली गलौज करते हुए मारपीट करने पर आमादा हो गए। मामले को लेकर पीड़ित ने डाल 112 व स्थानीय पुलिस को सूचना देकर न्याय की गुहार लगाई है।

हेड ब्वॉय व हेड गर्ल्स का हुआ अलंकरण समारोह

रत्योरा। सेंट मेरिज स्कूल तरांव कोरांव प्रयागराज में शुक्रवार को हेड ब्वॉय एवं हेड गर्ल्स का अलंकरण समारोह आयोजित किया गया। जिसमें सभी छात्रों के बीच हेड ब्वॉय एवं हेड गर्ल्स के रूप में रत्नेश मिश्रा एवं नम्रता सिंह को चुना गया। इसके अलावा हाउस कैप्टन व गेम्स कैप्टन का चुनाव संपन्न हुआ। हेड बॉय व हेड गर्ल्स एवं गेम्स कैप्टन हाउस कैप्टन बने छात्रों को विद्यालय की ओर से अलंकृत कर सम्मानित किया गया। इस दौरान विद्यालय की प्रधानाचार्या सिस्टर नवीना व समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। चयनित छात्र-छात्राओं को प्रधानाचार्या सिस्टर नवीना के द्वारा अलंकरण सम्मान समारोह कर सम्मानित किया गया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। सिस्टर नवीना ने चयनित सभी छात्र छात्राओं से अपने दायित्व का सकुशल निर्वहन करने का आह्वान करते हुए सभी छात्र-छात्राओं को एक साथ लेकर चलने का आह्वान किया है।

मंहगाई के खिलाफ आप पार्टी का अनोखा विरोध प्रदर्शन

नैनी। मंहगाई की समस्या से त्रस्त आम आदमी की पीड़ा को सरकार तक पहुंचाने और इस समस्या का यथाशीघ्र समाधान करने की मांग करते हुए शनिवार पूरे उत्तर प्रदेश में आम आदमी पार्टी द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया।इसी क्रम में आप प्रयागराज जिलाध्यक्ष डॉ अलताफ अहमद एवं महिला जिलाध्यक्ष पूनम सिंह के नेतृत्व में गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया।पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने अपने-अपने घरों में खाली गैस सिलेंडर को चिमटा एवं करछुल से बजाकर विरोध जताया और सरकार से मांग किया कि गैस के दाम कम किये जायँ जिससे आम आदमी दो वक्त की रोटी खा सके।डॉ अलताफ अहमद ने कहा कि 100 दिन में महंगाई कम करने का वादा करने वाली भाजपा सरकार मंगाई रोकने में पूरी तरह विफल हो चुकी है।पूनम सिंह ने प्रयागराज की जनता से अपील किया कि व्यवस्था बदलाव हेतु सभी लोग आप की मुहिम का हिस्सा बनें।आज के विरोध प्रदर्शन में आप जिला महासचिव नितिन सिंह पटेल ,जिला कार्यकारिणी सदस्य रविन्द्र श्रीवास्तव ,आप महिला जिलामहासचिव आलमआरा सिद्दीकी ,सुनीता केसरवानी , जिला महिला कोषाध्यक्ष अंजलि यादव,आप महिला जिला कोषाध्यक्ष सुनीता वर्मा ,राहत , रिजवाना आदि ने भाग लिया। नितिन सिंह पटेल निवर्तमान जिला महासचिव प्रयागराज आदि उपस्थित रहे।

सात स्वास्थ्य उप केंद्रों पर आयोजित हुआ मिस्टर स्मार्ट सम्मेलन

रत्योरा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोरांव के अंतर्गत संचालित स्वास्थ्य उप केंद्रों पर मिस्टर स्मार्ट सम्मेलन का आयोजन किया गया। जहां स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा परिवार नियोजन से जुड़े उपायों एवं साधनों की विस्तार से जानकारी दी गई और पुरुष नसबंदी हेतु लोगों को जागरूक किया गया। जिन उपस्वास्थ्य केंद्रों पर मिस्टर स्मार्ट सम्मेलन का आयोजन किया गया। उनमें स्वास्थ्य उप केंद्र रामपुर कला, पथरताल, टोंगा, गाढ़ा, पवारी, चंदापुर, मुरलीपुर शामिल रहे।यह सम्मेलन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोरांव के अधीक्षक डॉ केबी सिंह के निर्देशन में आयोजित हुए। जहां सभी गांवो के ग्राम प्रधानों के द्वारा सहयोग किया गया। सम्मेलन में उपस्थित रहे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बीसीपीएम महेंद्र कुमार सोनकर एवं सभी उप केंद्रों के सीएचओ एवं आशा एवं आंगनवाड़ी के द्वारा ग्रामीण लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में परिवार नियोजन के संसाधनों की जानकारी एवं सहभागिता हेतु कुछ खेल एवं प्रश्नोत्तरी भी कराए गए। तदोपरांत मिस्टर स्मार्ट के विजेता को चुनकर पुरस्कृत किया गया। विजेता के नाम क्रमशः राकेश, धर्मेंद्र, राम नारायण, ज्ञान प्रकाश, संतराज एवं जितेंद्र सिंह हैं।

नेहरू ग्राम भारती के जनामि फाउंडेशन ने आयोजित की पोस्टर प्रतियोगिता

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। नेहरू ग्राम भारती (मानित) विश्वविद्यालय में जनामि फाउंडेशन द्वारा शनिवार को पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन विधि संकाय, हनुमानगंज परिसर में किया गया। इस प्रतियोगिता के संचालन का कार्य डॉक्टर स्वप्निल त्रिपाठी, अधिष्ठाता, विधि संकाय के द्वारा किया गयो इस प्रतियोगिता का मुख्य विषयर सतत विकास लक्ष्यर था जबकि इसके इसके उप -विषय के रूप में संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित 17 लक्ष्य थे `प्रोफेसर के. के. तिवारी, अपर कुलसचिव के द्वारा सतत विकास लक्ष्य एवं 17 लक्ष्यों के बारे में बच्चों को जागरूक किया गयो जबकि इस अवसर पर श्री अनुपम सिंहा, उप कुलसचिव, डॉ सियाराम शुक्ला, डॉ दिलीप कुमार,डॉ राजीव लोचन, श्री बंश लोचन प्रसाद, श्री विनीत प्रताप,श्री अमित कुमार, डॉ मोनिका सिंह, श्री सत्येंद्र गुप्ता,श्रीप्रकाश यादव उपस्थित रहे` पुरुस्कार वितरण का कार्यक्रम जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो अबे की आकस्मिक मृत्यु होने के कारण स्थगित कर दिया गया था। पुरस्कार का वितरण अब दिनांक 11 जुलाई सोमवार को किया जाएगा।

कांवड़ यात्रा एवं बकरीद के त्यौहार को लेकर नैनी थाने में पीस कमेटी की बैठक संपन्न

नैनी। कांवड़ यात्रा व बकरीद त्योहार के मद्देनजर रखते हुए थाना नैनी कोतवाली परिसर मे पीस कमेटी की बैठक की गई बैठक में क्षेत्र अधिकारी करछना राजेश कुमार यादव थाना नैनी प्रभारी सुरेन्द्र कुमार वर्मा/कोतवाली निरीक्षक अपराध मोहम्मद अली एवं एसएसआई अजय कुमार सिंह कि अध्यक्षता में की गई बैठक को सम्बोधित करते हुए क्षेत्र अधिकारी करछना ने बैठक में आए हुए धर्मगुरुओं व्यापारी गण एवं समस्त समाजसेवी से अपील की आप लोग त्योहार को भाईचारा के साथ मनाये और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें साथ ही उन्होंने कहा बकरा ईद की कुबार्नी सार्वजनिक जगहों पर नहीं की जाएगी घर पर ही कुबार्नी दे ताकि किसी को कोई समस्या ना हो । कांवड़ यात्रा इसी महीने के 14 तारीख से शुरूआत हो रही है ऐसे में सोमवार के दिन मन्दिर के आस पास साफ सफाई का पूरा ध्यान दिया जाएगा और कांवड़ यात्रा के दौरान किसी प्रकार की समस्या होने पर थाना नैनी को सूचित करें। नैनी थाना प्रभारी ने आए हुए लोगो से सुझाव या कोई परेशानी हो तो हमें जरूर बताएं उसका तुरंत ही निवारण किया जाएगा। इस मौके पर नैनी क्षेत्र के सभी चौकी इंचार्ज और विशेष पुलिस अधिकारी सिविल डिफेंस जिला अपराध निरोधक समिति नैनी व्यापार गण नगर निगम बिजली विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

उपनिदेशक ने पुरैनी गांव का किया औचक निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

करछना। विकास खंड के ग्राम पंचायत पुरैनी में शनिवार को उपनिदेशक पंचायत विभाग के जयदीप त्रिपाठी मंडल प्रयागराज एवं मंडली परियोजना प्रबंधक चंद्रासु निषाद ने गांव में विकास कार्यों का स्थली निरीक्षण किया तथा स्मृति वाटिका गांव में गलियों में मोहल्लों में बस्तियों में चौराहों पर लोगों को रात को रोशनी हेतु सुविधा बहाल किए जाने के लिए खंभों में बिजली के लगाई गई स्ट्रीट लाइट का स्थलीय निरीक्षण कर संतुष्ट हुए उन्होंने सबसे पहले ग्राम पंचायत के मजरा हासिमपुर वह पुरैनी में 54 बिजली के खंभों में लगाई गई प्रधान द्वारा स्ट्रीट लाइट का अवलोकन किया जिसे देखकर उपनिदेशक जयदीप त्रिपाठी प्रधान के कार्यों की सराहना की इसके अलावा पंचायत भवन प्राथमिक स्कूलों आदि स्थानों पर जाकर जमीनी हकीकत विकास कार्यों की जानी विकास कार्य से संतुष्ट होकर उपनिदेशक ने प्रधान मंजू पांडे प्रतिनिधि सुरेश पांडे की सराहना की तथा अत्याधुनिक तरीके से सुसज्जित बनायाा गया पंचायत भवन को देखकर खुशी जताई , वही

पुरैनी गांव मे अमृत वाटिका देखकर उपनिदेशक ने जाहिर की प्रसन्नता

करछना। विकास खंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत पुरैनी हासिमपुर में शनिवार को सुबह 11बजे उपनिदेशक पंचायत विभाग मंडल प्रयागराज जयदीप त्रिपाठी ने पुरैनी गांव में पहुंचकर कराए गए कार्यों की समीक्षा करते हुए गांव में कराए गए वृक्षारोपण के अंतर्गत अमृत वाटिका स्थल का जायजा लेते हुए हरे भरे पौधों को देखकर चारों तरफ लगाए गए वृक्षों को, घेरा बैरिकेडिंग की सुरक्षा गार्ड को देखकर प्रसन्नता जाहिर करते हुए प्रधान की सराहना की उन्होंने कहा कि इसी तरीके से प्रत्येक गांव में अमृत वाटिका के तहत वृक्षारोपण कराया जाना पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण होता है जिसे प्रत्येक नागरिक अपने गांव में अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर गांव को हरा-भरा बना सकता है इस मौके पर प्रधान सुरेश पांडे , पंचायत सचिव कमल सिंह एडीओ पंचायत विवेक कुमार मिश्रा मनोज पांडे रोजगार सेवक सहायक पंचायत सचिव आकांक्षा पांडे खंड प्रेरक अतुल कुमार मिश्रा अवधेश कुमार पांडे एडवोकेट सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। हरियाली के लिए गांव में स्मृति वाटिका का स्थलीय निरीक्षण कर कार्य को देख कर संतुष्ट होकर कार्य की प्ररशंसा की इस मौके पर प्रधान प्रतिनिधि सुरेश पांडे एडीओ पंचायत करछना विवेक कुमार मिश्रा पंचायत सचिव कमल सिंह सहायक पंचायत सचिव आकांक्षा पांडे रोजगार सेवक मनोज पांडे अवधेश कुमार पांडे एडवोकेट ब्लाक खंड प्रेरक अतुल कुमार मिश्रा सहित गांव के बड़ी संख्या में गणमान्य लोग निरीक्षण के दौरान मौजूद रहे।

शिवरतन का पुरवा में उतारी गई शनि देव की आरती

श्रृंगवेरपुर धाम। बिजलीपुर के शिवरतन का पूरा में प्रत्येक शनिवार की भांति इस शनिवार भी शनि देव धाम सेवाश्रम सिद्ध पीठ शनिदेव मंदिर ट्रस्ट शिवरतन का पुरवा में शिव के सम्मुख विराजमान न्याय के देवता शनि देव महाराज के दरबार में सुंदरकांड व हनुमान चालीसा के साथ हवन किया साथ ही शनि देव महाराज को तेल से अभिषेक करने के पश्चात भक्तो को खिचड़ी लड्डू का प्रसाद वितरित किया गया ।वही पूरे दिन भक्तों का ताता लगा रहा शनि देव महाराज जयकारे से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान हो उठा प्रबंध ट्रस्टी संजय तिवारी ने सभी भक्तजनों से प्रत्येक शनिवार को महाप्रसाद एवं आरती में सम्मिलित होने का अनुरोध किया सनातन धर्म का प्रचार प्रसार होता रहे ।उसके लिए भक्तों को जागरूक किया उन्होंने बताया कि सावन मास के पावन पर्व पर एक महीने तक अखण्ड संकीर्तन व ओम नमः शिवाय संकीर्तन जो प्रतिपदा से पूर्णमासी तक अनवरत चलता रहेगा साथ ही यह भी बताया कि 14 अगस्त से महाभण्डारे का आयोजन भी किया जायेगा। यह कार्यक्रम क्षेत्र वासियो व कावरिया भक्तों की ओर से किया जायेगा साथ ही कहा कि प्रत्येक मनुष्य को सनातन धर्म का प्रचार प्रसार करते रहना चाहिए। इस अवसर पर राकेश पांडे पंडित मनोज तिवारीकुलदीप तिवारी नीरज पांडे हर्षित तिवारी शिवदीप तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

टारे टरे न लेख में दिखी विधाता की महिमा

अखंड भारत संदेश

एनसीसीजेडसीसी के प्रेक्षागृह में गीतनाट्य की मनमोहक प्रस्तुति

प्रयागराज। स्वर्ग रंगमंडल के बैनर तले गीतनाट्य ₹ टारे टरे न लेखर की प्रस्तुति एनसीजेडसीसी के प्रेक्षागृह में की गई। तीसरे पहर चार बजे कार्यक्रम की शुरूआत में भारत के अनन्य मित्र, जापान के पूर्व प्रधानमंत्री एवं पदमविभूषण शिंजो आबे को सभी कलाकारों एवं दर्शकों ने मौन धारण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इसके पश्चात कलाकारों ने ह्यह्लटारे टरे न लेखह्लह्ल की प्रस्तुति दी। जिसमें लोक कलाकारों की स्वर लहरियां, साथ में कहानी अनुरूप दृश्य दर्शकों को लुभाते रहे। संस्कृति मंत्रालाय भारत सरकार के सहयोग से प्रस्तुत लोक संगीत, लोक गीत एवं लोक नाट्य से परिपूर्ण प्रस्तुति को देश के जाने माने लोक नाट्य निर्देशक अतुल यदुवंशी ने अपने निर्देशकीय कौशल से सजाया। टारे-टरे न लेखर तीन कहानियों का केंद्र है, जहां पर यह बात प्रमाणित हो जाती है कि समय बदले या जन्म-जन्मान्तर, विधि का विधान नहीं बदला जा सकता। सुग्गा - सुग्गी के माध्यम से शुरू हुई कहानी अगले पड़ाव में श्रवण कुमार की गाथा में परिवर्तित होकर अंत में राजा दशरथ के राम वन गमन के समय पुत्र वियोग में प्राण त्यागना, ठीक उसी तरह जैसे श्रवण कुमार के माता-पिता ने पुत्र वियोग में प्राण त्यागा था, उस श्राप से जोड़कर देखा गया, जिसे श्रवण कुमार के माता - पिता ने राजा दशरथ को श्रवण की हत्या के उपरांत दिया था। प्रस्तुति का आधार गीत ' टारे टरे न लेख विधनवा, टारे टरे न लेख' बेहद रोचक रहा। जो कहानी के हर पड़ाव पर अपनी सार्थकता दर्ज कर रहा था। प्रस्तुति में सूत्रधारों की भूमिका में कंचन लाल यादव, अभयराज यादव एवं मनोज कुमार ने कहानी को बड़े ही सलीके से पेश किया, साथ ही सुग्गा- देशराज पटारिया, सुग्गी - अशोक कुमार रसिया, उद्यान ऋषि- रामसूरत पायल चंद्रकला - कुमारी सोनी, श्रवण कुमार - पवन कुमार यादव, विद्यावती - सरिता सिंह, राजा दशरथ - हौसल कुमार, रानी कैकेयी- प्रिया मिश्रा, मंथरा-शिवानी कश्यप, रावण - संजय यादव, शंकरजी - एजाज खान, रानी कौशल्या-कविता यादव, रानी सुमित्रा-सरिता सिंह, राम-नीरज अग्रवाल, सीता-अनन्या मोहिले, लक्ष्मण - आर्यन मोहिले ने अपने किरदार को जीवंत कर दिया। मंच परे संगीत - गुलाबचंद्र मौर्य, संतोष कुमार, दिलीप कुमार, मोहम्मद साजिद, नगीना, रमेश कुमार तथा बसंतलाल त्यागी का रहा। वस्त्रविन्यास- शिल्पी यदुवंशी, रूप सज्जा- मोहम्मद हमीद और प्रकाश संचालन - सुजॉय घोषाल का रहा। इस प्रस्तुति के गीतकार- रामसिंह यादव, नाट्य लेखन- राजकुमार श्रीवास्तव तथा सहायक निर्देशन- कमलेशचंद्र यादव ने किया।

दो अलग अलग गांवों में मार पीट सात के खिलाफ मुकदमा

मऊआइमा। दो अलग अलग गांवों में मार पीट तथा क्षति करने पर दोनों मामलों में सात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम जाम्हा खास निवासी अशोक कुमार का आरोप है कि उसके विपक्षी एक राय होकर उसे जान से मारे की धमकी देते हुए खेत में ट्रेक्टर लगा का फसल को नष्ट कर दिए । अशोक कुमार तिवारी ने मऊआइमा थाने में अजय कुमार तिवारी ,राधेश्याम तिवारी , विनित तिवारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।उधर ग्राम कल्याणपुर बसावन का पूरा निवासी दयाराम पुत्र नन्हें लाल का आरोप है कि उनके विपक्षी उसे मार कर बेहोश कर दिए। दयाराम ने रमाकांत ,दयाशंकर ,प्रेम कुमार ,आशा राम के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

कार्यालय ग्राम पंचायत चामू वि. ख. जसरा, प्रयागराज

पत्रांकः मेमो/मनरेगा/ राज्य वित्त/केन्द्रीय वित्त/नि./ 2022-23/ दिनांक

अल्पकालीन निविदा

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना/राज्य वित्त /केन्द्रीय वित्त योजना अन्तर्गत वर्ष 2022–23 में प्रस्तावित निम्नलिखित कार्यों हेतु सामग्री आपूर्ति पंजीकृत एवं अधिकृत विक्रेता से दिनांक 25–06–2022 से 11–07–2022 तक सायं 4:00 बजे तक निविदायें आमंत्रित की जाती है। दिनांक 11–07–2022 को सायंकाल 4:30 पर निविदा ग्राम पंचायत कार्यालय पर निविदादाताओं एवं प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

क्र0	कार्य का विवरण	ग्राम पंचायत	योजना/ मद	अनुमानित लागत	निविदा मूल्य रू. में	धरोहर राशि	कार्य की अवधि
1.	पक्की सड़क से मदराज सिंह के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	चामू	मनरेगा/राज्य/ केन्द्रीय वित्त	4 लाख	500	8000	1 माह
2.	सुमित तिवारी के खेत के सामने कुवां मरम्मत कार्य	चामू	मनरेगा/राज्य/ केन्द्रीय वित्त	4 लाख	500	8000	1 माह
3.	सी. एस.सी. सेन्टर का निर्माण कार्य	चामू	मनरेगा/राज्य/ केन्द्रीय वित्त	5 लाख	500	10000	1 माह
4.	राधेश्याम के घर से रामबृक्ष के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	चामू	मनरेगा/राज्य/ केन्द्रीय वित्त	4 लाख	500	8000	1 माह
5.	रामदयाल बिन्द के घर से बसन्तिया पुलिया तक इण्टरलाकिंग कार्य	चामू	मनरेगा/राज्य/ केन्द्रीय वित्त	4.50लाख	500	9000	1 माह
6.	रामु सुमेर के घर के सामने कुवां मरम्मत कार्य	चामू	मनरेगा/राज्य/ केन्द्रीय वित्त	4.00लाख	500	8000	1 माह
7.	शिव सागर तिवारी के घर से संगम लाल के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	चामू	मनरेगा/राज्य/ केन्द्रीय वित्त	4 लाख	500	8000	1 माह
8.	रामसिया यादव के घर से राम प्रसाद बिन्द के घर तक नाली निर्माण कार्य	चामू	मनरेगा/राज्य/ केन्द्रीय वित्त	3.50 लाख	500	7000	1 माह
9.	रामसुचित के घर से अवध बिहारी के घर तक नाली निर्माण कार्य	चामू	मनरेगा/राज्य/ केन्द्रीय वित्त	4 लाख	500	8000	1 माह

सामान्य शर्तें :– 1. कार्य की सम्पूर्ण जानकारी किसी भी कार्य दिवस में ग्राम विकास अधिकारी कार्यालय से ली जा सकती है। 2. निविदा दाता/कोटेशन दाता को समस्त रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र जीएसटी नम्बर के साथ रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र निविदादाता कोटेशन के साथ संलग्न करना होगा। 3. निविदा धरोहर धनराशि 2 प्रतिशत जमानत के रूप में एफ.डी.आर./एन.एस.सी. जमा करना होगा।4. निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय दिनांक 11–07–2022 तक पूर्वान्हन 12.00 बजे तक प्राप्त कर सकते हैं। 5. किसी निविदा/कोटेशन को निरस्त करने का सर्वाधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा। 6. सभी कार्यो के लिए अलग–अलग निविदा/कोटेशन स्वीकार्य की जायेगी। 7. सशर्त निविदा स्वीकार नही होगी। 8. सामग्री की मात्रा/धनराशि घट बढ़ सकती है।

नोट–निविदा प्रपत्र ग्राम पंचायत कार्यालय चामू से प्राप्त की जा सकती है एवं ग्राम पंचायत कार्यलय चामू में समस्त निविदाएं भी खोली जायेगी।

गीता देवी
(ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत चामू
वि. ख. जसरा, प्रयागराज

नील कमल प्रजापति
ग्राम पंचायत/विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत चामू
वि. ख. जसरा, प्रयागराज।

प्रतापगढ़ संदेश

महिला को बंधक बनाकर चोरो नें नकदी सहित लाखों के जेवरात उड़ाए

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। कुंडा कोतवाली क्षेत्र में आये चोरी, मारपीट, लूटमार से आम जनमानस भयभीत हो गया है, तभी तो शुक्रवार की बीती रात अज्ञात चोरों ने कुंडा पुलिस को चुनौती देते हुए कोतवाली क्षेत्र के चैसा गांव में धीरू सिंह उर्फ बब्बर के घर में घुसकर जमकर तांडव किया जिसमें धीरू सिंह की पत्नी संगीता सिंह घर के बरामदे में अपनी बेटी के साथ सो रही थी।

अंदर घुसे चोरो ने चाकू की नोक पर संगीता सिंह को बंधक बनाकर मुंह मे कपड़ा भरकर सिगरेट व चिमटा गरम करके हाथ व पैर को जगह जगह जलाया। संगीता के विरोध करने पर चोरो ने मारपीट

पुलिस कर रही मामले की छानबीन

चोरों की प्रताड़ना से घायल संगीता सिंह।

भी किया घटना वाले दिन धीरू किसी काम से बाहर गए हुए थे। चोरों ने रात भर बड़े इत्मीनान के साथ घर मे घुसकर जमकर लूटपाट किया जिसमें नकदी सहित चोरी गए जेवरात की कीमत लाखो रुपये बताई जा रही है। भोर पहर जाते समय चोरो ने संगीता को बन्धक बनाकर घर मे एक तरफ बैठा दिया। संगीता के बगल में सो रही बेटी की आंख खुली तो बगल में मां को न पाकर सन्न रह गयी और दौड़कर आस पास के लोगो को बताया। सभी लोग घर की तरफ दौड़ पड़े। अंदर संगीता का हाल देखकर सभी दंग रह गए शरीर मे जगह जगह जलने के निशान दिखाई दिए जिससे संगीता बेसुध पड़ी रही। घटना की जानकारी लोगो ने कोतवाली पुलिस को दी। घर मे महिला को बन्धक बनाकर लूटपाट की खबर मिलते पुलिस मोहकमा में हड़कम्प मच गया। मौके पर पहुचे कुंडा कोतवाल प्रदीप कुमार ने पीडित महिला से घटना की बाबत जानकारी लेते हुए उपचार के लिए भेजा। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

एएसपी की फटकार पर दलित उत्पीडन का मुकदमा

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने दलित की पिटाई को लेकर एएसपी की फटकार पर शुक्रवार की रात आरोपियो के खिलाफ एससीएसटी का केस दर्ज किया है। कोतवाली के खरगपुर निवासी रामफेर के पुत्र राजेन्द्र कुमार कोरी ने दी गई तहरीर मे कहा है कि बारह जून की सुबह नौ बजे गांव के वेदप्रकाश मिश्र पुत्र अमरनाथ ने दो अज्ञात आरोपियो के साथ पीडित को मारापीटा। आरोपियो ने पीड़ित को जातिसूचक शब्दों से गालियां देते हुए शिकायत करने पर जानलेवा धमकी दी। पीड़ित ने घटना की तहरीर लालगंज कोतवाली मे दी। जांच के नाम पर पुलिस मुकदमा दर्ज करने मे हीलाहवाली कर रही थी। इस पर पीडित ने जिले के एएसपी पश्चिमी रोहित मिश्र को आपबीती सुनाई। एएसपी की फटकार पर शुक्रवार की रात पुलिस ने आरोपियो के खिलाफ केस दर्ज किया है।

मारपीट की घटना में दस आरोपियो के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने मारपीट की घटना में हत्या के प्रयास समेत कई गंभीर धाराओं मे क्रास केस दर्ज किया है। खानापटटी निवासी शमसाद की तहरीर पर आधा दर्जन आरोपियो के खिलाफ बलवा तथा हत्या के प्रयास व घर मे घुसकर मारपीट को लेकर शुक्रवार की रात केस दर्ज किया है। कोतवाली के खानापटटी निवासी मो. शमसाद पुत्र मो. इलियास ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती सात जुलाई की रात दस बजे गांव के मो. इरशाद, मो. रिजवान उर्फ राजू, सर्फराज, शहनवाज तथा जरीना व रूकसार बानो ने रंजिशन उसके घर जानलेवा हमला बोल दिया। आरोपियो ने पीड़िता के घर मे घुसकर मारपीट करते हुए गालीगलौज की। हमले मे पीड़िता गंभीर चोट के कारण बेहोश हो गयी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी इरशाद समेत आधा दर्जन के खिलाफ गंभीर धाराओं मे केस दर्ज किया है। वहीं दूसरे पक्ष के इरशाद पुत्र सिफात की तहरीर पर भी पुलिस ने चार आरोपियो के खिलाफ हत्या के प्रयास तथा घर मे घुसकर मारपीट व तोडफोड का मुकदमा दर्ज किया है। पीड़ित ने दी गई तहरीर मे कहा है कि आरोपी गांव के शमसाद, जान तथा अफसर व अंसार पुत्रगण इलियास एवं अमन ने एकराय होकर घर मे घुसकर उसे तथा परिवार के सदस्यों को लाठी डंडे से मारापीटा। आरोपियो ने शोर मचाने पर घर मे रखी कुर्सी मेज आदि तोडकर नष्ट कर दिये। आरोपियो के जानलेवा हमले मे इरशाद गंभीर चोट के कारण बेहोश हो गया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने क्रास केस दर्ज किया है।

हिस्ट्रीशीटर पर हमले के आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने हिस्ट्रीसीटर की पिटाई को लेकर चार आरोपियो के खिलाफ हत्या के प्रयास तथा गालीगलौज व धमकी का केस दर्ज किया है। कोतवाली के पूरे रमन मेढ़ावां निवासी संगीता वर्मा पत्नी पंचलाल ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती सात जुलाई की रात उसके पति पंचलाल वर्मा को गांव के सुरेश कोरी पुत्र रामनरेश, रामनरेश पुत्र अज्ञात, अभी कोरी पुत्र सुरेश तथा अंबिका प्रसाद पुत्र अज्ञात ने रंजिशन लाठी डंडे से मारपीट कर चुटहिल कर दिया। आरोपियो ने पीडिता के पति पर जानलेवा हमला किया। जिससे वह मरणासन्न हो गया। घायल पंचलाल को अभी भी परिजनों के मुताबिक अस्पताल मे इलाज जारी है। गौरतलब है कि चुटहिल पंचलाल लालगंज कोतवाली का हिस्ट्रीसीटर है और वह पुलिस की टॉप टेन सूची मे भी वांछित चल रहा था। थानाध्यक्ष कमलेश पाल का कहना है कि केस दर्ज किया गया है, कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस से हाथापाई की घटना के दो नामजद धराये

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली के कटरा जलेशरगंज मे बदमाशो को पकडने को लेकर पुलिस के साथ हाथापाई की घटना मे कोतवाली पुलिस ने दो आरोपियो को हिरासत मे लेने मे सफलता ली है। थानाध्यक्ष कमलेश पाल के निर्देशन में दरोगा योगेन्द्र सिंह ने गश्त के दौरान शनिवार को दोपहर मुकदमें मे नामजद आरोपी पूरे जनई निवासी शिव बहादुर के पुत्र सचिन पाल तथा रामदेव के पुत्र जीतेन्द्र पाल को हरनाहर के समीप पुलिया के पास से धर दबोचा। पुलिस ने दोपहर बाद दोनों आरोपियो को जेल भेज दिया। इधर शुक्रवार की रात भी पुलिस टीम घटना मे नामजद आरोपियो की तलाश मे धारूपुर क्षेत्र मे दबिश की मशक्कत मे जुटी दिखी। घटना के बाद से एफआईआर मे नामजद कई आरोपी गांव से फरार बताये जाते है। थानाध्यक्ष कमलेश पाल का कहना है कि मुकदमे के आरोपियो की फरारी की दशा मे उन पर ईनाम भी घोषित कराए जाने की प्रक्रिया अपनायी जाएगी। बतादें बीती पांच जुलाई को तमंचे के कारोबारी से जुडे आरोपियो को पकडने आयी महेशगंज पुलिस के साथ आरोपियो ने हाथापाई की थी। इसे लेकर महेशगंज थानाध्यक्ष अनिल पाण्डेय की तहरीर पर लालगंज थाने मे आठ नामजद तथा आठ अज्ञात आरोपियो के खिलाफ गंभीर धाराओं मे केस दर्ज किया गया है।

विद्यार्थी परिषद ने धूमधाम से मनाया अपना 74वां स्थापना दिवस

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद पट्टी तहसील के द्वारा 9 जुलाई को परिषद के स्थापना दिवस के अवसर पर भारत सिंह इंटर कॉलेज पट्टी में संगोष्ठी का आयोजन करके अपने स्थापना दिवस को मनाया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रांत सह संयोजक अनिकेत तिवारी ने कहा कि आज के ही दिन 9 जुलाई 1949 को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की स्थापना हुई थी और विद्यार्थी परिषद अपने स्थापना काल से ही छात्र हित और राष्ट्र हित के ध्येय उद्देश्य को लेकर कार्य कर रहा है परिषद भारत का ही नहीं बल्कि विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है इस दौरान पट्टी तहसील संयोजक बालाजी ओझा ने बताया की विद्यार्थी परिषद छात्र से जुड़े हुए सभी मुद्दों पर आगे आकर छात्रों का नेतृत्व करती है और आवश्यकता पड़ने पर उनके लिए आंदोलन करती है और छात्रों की प्रतिभा के निखार के लिए रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित करवाती है इस दौरान भारत सिंह इंटर कॉलेज के प्रबंधक शिवम सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय चेतना को प्रज्वलित करने में भारतीय विद्यार्थी परिषद की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर तहसील सह संयोजक अक्षत जायसवाल, सह संयोजक राहुल वर्मा, स्वतंत्र पांडेय, आदर्श तिवारी, अंकित शुक्ला, आदि कार्यकर्ताओ के साथ छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

समाधान दिवस में लम्बित शिकायतो पर बिफरे अफसर, मातहतो को फटकार

लालगंज, प्रतापगढ़। थाना समाधान दिवस में अफसरो ने जमीनी विवाद को लेकर प्रार्थना पत्रों के निस्तारण मे लापरवाही पर मातहतो को जमकर फटकार लगायी। स्थानीय कोतवाली मे समाधान दिवस मे बीस शिकायतों मे से महज तीन शिकायतों का निस्तारण हो सका। शिकायतों की सुनवाई करते हुए जिले के एएसपी पश्चिमी रोहित मिश्र ने समाधान दिवस में बार बार दिखी कुछ शिकायतो को लेकर वीट दरोगाओ को कडी डांट पिलाई। समाधान दिवस मे अचानक पहुचे एएसपी रोहित मिश्र ने थानाध्यक्ष को जमीनी विवाद से जुडे मामलों मे गठित राजस्व व पुलिस टीम के निस्तारण कार्रवाई की उन्हें भी तीन दिवस के भीतर रिपोर्ट भेजे जाने के निर्देश दिये। दिवस का संयोजन थानाध्यक्ष कमलेश पाल ने किया। इधर एसडीएम सौम्य मिश्र तथा सीओ रामसूरत सोनकर ने उदयपुर थाना मुख्यालय पर समाधान दिवस मे आयी शिकायतो की सुनवाई की। एसडीएम ने सरकारी क्षेत्र की जमीनों पर अतिक्रमण के मामले से जुडी शिकायतो पर राजस्व निरीक्षको को मौके की जांच कर अतिक्रमणीयों के खिलाफ कडी विधिक कार्यवाही के निर्देश दिये। सांगीपुर में हुए थाना समाधान दिवस मे शिकायतो की सुनवाई करते हुए सीओ रामसूरत सोनकर ने पुलिस से जुडी शिकायतो के निस्तारण के लिए थानाध्यक्ष को स्वयं मौके पर पहुंचकर समाधान कराए जाने को कहा।

जूबाए के चुनाव में इंदुभाल मिश्र अध्यक्ष व संतोष नारायण मिश्र बने महामंत्री

अखंड भारत संदेश

उपाध्यक्ष पद पर केवल वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर विवेक हुए विजयी

फोटो 3-अध्यक्ष इदुभाल मिश्र को लड्डू खिलाते पूर्व महामंत्री जेपी मिश्र

प्रतापगढ़। जूनियर बार एसोसिएशन की मतगणना शुक्रवार की देर रात पूरी हो पाई जिसमें अध्यक्ष इंदुभाल मिश्र, महामंत्री पद पर संतोष नारायण मिश्र तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर विवेक विजयी हुए हैं। बताया जाता है कि अन्य उपाध्यक्ष के पद पर विवाद हो जाने के कारण इस पद का परिणाम रोक दिया गया है।

बताया जाता है कि अध्यक्ष पद के इंदुभाल मिश्र को 1073 मत मिले थे। जबकि उनके प्रतिद्वन्दी अशोक कुमार पाण्डेय को 606 अधिवक्ताओं के मत मिले। इसी प्रकार महामंत्री पद पर संतोष नारायण मिश्र को 695 अधिवक्ताओं का मत तथा उनके निकटतम प्रतिद्वन्दी विवेक त्रिपाठी को मात्र 526 अधिवक्ताओं का समर्थन मिला। वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर विवेक शुक्ला को 677 मत तथा उनके निकटतम प्रतिद्वन्दी राममूर्ति को 409 मत मिले हैं। बता दें कि जूनियर बार एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी के गठन के लिये 2300 अधिवक्ताओं में 1791 अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था जिसकी मतगणना शुक्रवार को प्रातः आठ बजे शुरू हुई और मतगणना रात 12 बजे तक चली। परिणाम घोषित होने में उपाध्यक्ष पद की उम्मीदवार के विवाद के चलते वरिष्ठ उपाध्यक्ष के अलावा अन्य उपाध्यक्षों के पद का परिणाम रोकना पड़ा। बहरहाल अध्यक्ष पर इंदुभाल मिश्र व महामंत्री पद पर संतोष नारायण मिश्र के विजयी होने पर अधिवक्ताओं ने उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया। जूनियर बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष रोहित कुमार शुक्ल व पूर्व महामंत्री जय प्रकाश मिश्र ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को अपनी शुभकामनाएं दी।

सत्रह लावारिस वाहन हुए नीलाम, लाखों की वसूली

लालगंज, प्रतापगढ़। सांगीपुर थाने मे शनिवार को लावारिस सत्रह दोपहिया वाहनो के नीलामी को लेकर थाना परिसर मे दिन भर गहमागहमी का माहौल दिखा। एसडीएम सौम्य मिश्रा तथा सीओ रामसूरत सोनकर की देखरेख में नीलामी प्रक्रिया मे शामिल लोगों ने बढ़चढ़कर बोली लगायी। थानाध्यक्ष जीतेन्द्र सिंह ने बताया कि नीलामी के तहत वाहनों से लाखों रुपए का सरकारी राजस्व वसूल हुआ है। जिले के एसपी सतपाल अंतिल के निर्देश पर थानो मे वर्षो से डंप लावारिस वाहनों की नीलामी के अभियान के तहत सर्किल में लालगंज व सांगीपुर थाने मे सालो से जमे वाहनो का ढेर हटने से पुलिसकर्मियों को भी राहत की सांस लेते देखा जा रहा है।

अधिकारियों के नाक के नीचे ही अधूरा पड़ा सामुदायिक शौचालय

स्वच्छता अभियान पर फिर रहा है पानी, ब्लाक परिसर में दूर-दराज से आए फरियादियों को होती है परेशानी

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। शासन के लाख प्रयास के बावजूद भी जिम्मेदार स्वच्छता अभियान पर पानी फेर रहे है। अधिकारियों के नाक के ही नीचे ब्लाक परिसर में निमार्णाधीन शौचालय का निमार्ण कार्य महीनों से बंद पड़ा हुआ है। वहीं अधिकारी भी मौन साधे हुए है।

स्थानीय विकास खण्ड परिसर के अंदर महीनों पूर्व लोगों की सुविधा के लिए सामुदायिक शौचालय का निमार्ण कार्य शुरू कराया गया।कुछ दिनों तक काम में तेजी लाई गयी और ढ़ांचा खड़ा करके काम को बंद कर दिया गया। महीनों से शौचालय का निर्माण कार्य ठप पड़ा हुआ है।

लालगंज विकास खण्ड में रुका सामुदायिक शौचालय का निर्माण कार्य

ब्लाक में दूर-दराज से आने वाले फरियादियों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। यहां देखा जाए तो सबसे अधिक महिलाओं को परेशानी उठानी पड़ती है। इस दशा में शौच की समस्या होने पर लोग कहां जाए। इसी सेअंदाजा लगाया जा सकता है कि विकास खण्ड परिसर में ही सामुदायिक शौचालय में लापरवाही की जा रही है तो ग्रामीण क्षेत्रो का क्या हाल होगा। जब साहब ही जिम्मेदारियों का सही से निर्वाहन नहीं कर पा रहे है तो वह अपने मातहतों को क्या सीख देगे।

ब्लाक परिसर की भी जानकारी नही दे सके बीडीओ

अखंड भारत संदेश

लालगंज। ब्लाक परिसर के अंदर की जानकारी देने के लिए खण्ड विकास अधिकारी को फाइल देखनी पड़ती है। जो किसी हास्य से कम नही है। परिसर के अंदर अधूरे पड़े सामुदायिक शौचालय को किस निधि से बनाया जा रहा है और क्यों काम को बंद कर दिया गया है इसकी जानकारी खण्ड विकास अधिकारी को ही नही है। अब इसे क्या कहा जाए। इसकी जानकारी देने के लिए उनको फाइल देखनी पड़ेगी।

विपक्षियों ने बेच दिया पेड़, पीड़ित ने लगाई थाने में गुहार

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। आबादी तथा भूमिधरी जमीन पर लगाए गए एक व्यक्ति के पेड़ को विपक्षियों ने चुपके से ठेकेदार को बेच दिया। पीड़ित ने उलाहना दिया तो आरोपियों ने मारपीट पर आमादा हो गए। पीड़ित ने इस संबंध में पट्टी कोतवाली में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के भुसहर गांव के रहने वाले राम जीतपाल पुत्र श्रीनाथ ने इस संबंध में पट्टी कोतवाली में तहरीर दिया है और बताया कि शनिवार की सुबह उसकी आबादी की जमीन पर लगे हुए पेड़ को उसके पड़ोसी विपक्षियों ने चुपके से ठेकेदार को बेच दिया। ठेकेदार जब पेड़ काटने के लिए आया तो पूछताछ करने पर जब पेड़ बेचने की बात सामने आई तो जब उसने विपक्षियों से इस संबंध में पूछताछ शुरू की है तो आरोपी गाली गलौज करते हुए मारपीट करने पर उतारू हो गए पीड़ित ने इस संबंध में कोतवाली में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

सोशल मीडिया पर धार्मिक पोस्ट को लेकर आक्रोश, सीओ को सौंपा ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। सोशल मीडिया पर हिन्दुओं की आराध्य देवी माता काली की आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर शनिवार को यहां आक्रोश दिखा। दर्जनो शिकायतकताओं ने आपत्तिजनक पोस्ट को धार्मिक भावनाओ को आहत किये जाने का अपराध ठहराते हुए सीओ से मिलकर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किये जाने की मांग उठाई है। सीओ रामसूरत सोनकर ने मामले की जांच कराकर कार्रवाई का भरोसा दिलाते हुए लोगों को समझाया बुझाया। शनिवार को सांगीपुर थाने मे आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर आक्रोशित लोग अचानक पहुंच गये। जनसमस्याओं की सुनवाई कर रहे सीओ रामसूरत सोनकर से मिलकर लोगों ने कार्रवाई की मांग रखी। ज्ञापनदाताओं में तीरथनाथ गांधी, आशीष त्रिपाठी, रिंकू मिश्र, रामकृष्ण नगरहा, ओम नारायण पाण्डेय, पवन मिश्र, पप्पू मिश्र, विजय तिवारी, शम्भूनाथ तिवारी, सतीश तिवारी, राकेश तिवारी, सचिन शुक्ल, अमन सिंह, गुलशन यादव, विजय यादव, गिरीशबाबा, अभिषेक तिवारी आदि ने सीओ को ज्ञापन देकर धार्मिक सौहार्द बिगाडने के प्रयास करने वालों के खिलाफ कडे कदम उठाये जाने की मांग की।

ईदगाह में साफ-सफाई करते सफाई कर्मचारी।

बकरीद की तैयारी में जुटी नगर पालिका व प्रशासन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। बकरीद की तैयारी में नगर पालिका भी जुटी है। शहर के मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों बेगम वार्ड, भैरोपुर, घोसियाना वार्ड में विशेष अभियान चलाकर आज सफाई कराई गई तथा एंटी लार्वा का छिड़काव किया गया। इसके अलावा सभी मस्जिदों वाले क्षेत्र को नगर पालिका साफ-सुथरा करने में लगी रही। मस्जिदों के आसपास रविवार को बकरीद की प्रातः चूने का छिड़काव होगा। यह जानकारी देते हुए नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि नगर पालिकाध्यक्षा प्रेमलता सिंह व अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह के निर्देशन में ईदगाह में आज कर्मचारियों को भेजकर सफाई कराई जा रही है। यहां पर सबसे ज्यादा लोग नमाज पढ़ने आते हैं। इसके अलावा 10 फिट गहरा व 15 फिट लम्बा सात गड्ढे खोदे गये हैं। इसी गड्ढे में खराब सामान फेंका जाएगा जिससे प्रदूषण से बचा जा सके। प्रशासन भी इस बार ज्यादा चैकन्ना है। मस्जिदों के ईदगाह के आसपास भारी पुलिस बल व मस्टिेज्टों की तैनाती की जा रही है।

पालीथिन इस्तेमाल न करने के लिये व्यापार मण्डल ने ली शपथ

अखंड भारत संदेश

बैठक कर पालीथिन के बहिष्कार पर जताई सहमति

पालीथिन इस्तेमाल न करने के लिये शपथ लेते व्यापारीगण।

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिलाध्यक्ष राजेंद्र कुमार केसरवानी की अध्यक्षता में प्रांतीय उपाध्यक्ष राम शंकर जायसवाल के बाबागंज स्थित प्रतिष्ठान पर प्रांतीय अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल द्वारा व्यापारी हित में प्रांत में किए गए कार्यों और एकल यूज पॉलिथीन प्रतिबंध के संदर्भ में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक का संचालन जिला महामंत्री संजय सोनी ने किया।

बैठक में उपस्थित जिलाध्यक्ष राजेंद्र कुमार केसरवानी ने बनवारी लाल कंछल द्वारा व्यापारियों के समस्याओं को लेकर उनके हितों में शासन प्रशासन से मांगों के संदर्भ में अवगत कराया। इसी के साथ जिलाध्यक्ष सहित समस्त पदाधिकारियों व व्यापारी बंधुओं ने स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के सुरक्षा को देखते हुए सरकार द्वारा चलाए गए, एकल यूज पॉलिथीन के बहिष्कार हेतु सभी ने सहमति जताई और व्यापार मंडल के माध्यम से शासन व प्रशासन से पॉलिथीन प्रतिबंध पर शक्ति या छापे ना डालने के लिए कम से कम चार माह की समयावधि की मांग भी की। बैठक में सुरेश चन्द्र केसरवानी, अभय खंडेलवाल, सरदार कुलविंदर सिंह, राहुल केसरवानी, धीरज उपाध्याय, शुभम जायसवाल, इफ्तिखार बॉबी, राहुल गुप्ता, विनय सिंह भोला (सभासद), अख्तर राइन, शकील अख्तर, मोहम्मद कदीर, आशीष सिंह आदि अन्य लोग उपस्थित रहे।

साथी अधिवक्ता के उत्पीड़न पर दूसरे दिन भी गरजे वकील

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। साथी अधिवक्ता व उसके परिवार के सदस्यों को पुलिस एफआईआर में नामजदगी को लेकर वकीलों का गुस्सा शनिवार को भी यहां माहौल को गर्म किये दिखा। शनिवार को अवकाश होने के बावजूद बड़ी संख्या में नाराज वकीलों का तहसील परिसर मे जमघट दिखा। आम सभा मे मंत्रणा के बाद नाराज वकीलों का जत्था पुलिस व प्रशासन के खिलाफ तहसील गेट से नारेबाजी करते थाना समाधान दिवस मे आ धमका। तहसील के अधिवक्ता शशिकान्त मिश्र तथा दिवंगत पूर्व अध्यक्ष धनंजय मिश्र के भाई व बेटे का भी पांच जुलाई को एसओ महेशगंज द्वारा लिखाये गये मुकदमें मे नामजदगी को लेकर वकील गुस्से मे देखे गये। समाधान दिवस मे नायब तहसीलदार तथा थानाध्यक्ष से गलत नामजदगी को लेकर गुस्सा जताते हुए वकीलो ने

कोतवाली परिसर मे की नारेबाजी

साथी के उत्पीड़न पर कडी नाराजगी जताई। वकीलो की थाना परिसर मे नारेबाजी देख थानाध्यक्ष कमलेश पाल ने माहौल को संभालते हुए अधिवक्ताओं को भरोसा दिलाया कि निष्पक्ष जांच के तहत किसी निर्दोष का उत्पीडन नही होगा। संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश व महामंत्री शेषनाथ तिवारी ने प्रशासनिक अफसरो से दो टूक कहा कि वकीलो को परेशान किया गया तो सोमवार से आंदोलन और तेज होगा। बार एसोशिएसन के पूर्व अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने कहा कि डीएम व एसपी को संबोधित ज्ञापन के बावजूद लालगंज व महेशगंज पुलिस बिना जांच किये अधिवक्ता परिवार को परेशान करने की अनैतिक कार्रवाई अब बर्दाश्त नही की जाएगी। विरोध प्रदर्शन का संयोजन वरिष्ठ उपाध्यक्ष शहजाद अंसारी व उपाध्यक्ष बीके तिवारी ने किया। इस मौके पर पूर्व उपाध्यक्ष संतोष पाण्डेय, दीपेन्द्र तिवारी, कुलदीप तिवारी, सुशील शुक्ल, रामलखन शर्मा, दीपक पाण्डेय, घनश्याम मिश्र, कमलेश तिवारी, विजय श्रीवास्तव, राजेश तिवारी, शिव नारायण शुक्ल, अरूण मिश्र पिपरा, मनोज शुक्ल, जीतेन्द्र शुक्ला आदि अधिवक्ता रहे।

खबर संक्षेप

तीन वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। जिले में अलग अलग थानों की पुलिस के द्वारा तीन वारण्टी अभियुक्तो को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय कर दिया है जानकारी के मुताबिक थाना कौशाम्बी पुलिस बल द्वारा वारंटी अभियुक्त राजकुमार उर्फ लोहा पुत्र धर्मराज निवासी बकेली थाना कौशाम्बी को गिरफ्तार न्यायालय भेज दिया है। इसी प्रकार थाना सैनी पुलिस बल द्वारा वारंटी अभियुक्त लाल चन्द्र पटेल पुत्र रामदुलारे पटेल निवासी रूपनारायणपुर थाना सैनी को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात न्यायालय भेज दिया है। इसी प्रकार थाना सराय अकील पुलिस बल द्वारा वारंटी अभियुक्त यशवन्त पुत्र राम प्रसाद निवासी रक्सराई थाना सराय अकिल को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात न्यायालय भेज दिया है।

निरोधात्मक कार्यवाही में 30 अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में चलाये जा रहे अभियान में साधारण मारपीट व शांति भंग करने के आरोप में थाना सैनी से तीन थाना महेवाघाट से तीन थाना मोहब्बतपुर पइन्सा से तीन थाना मंझनपुर से चार थाना पश्चिम शरीरा से चार थाना सराय अकिल से दो थाना कौशाम्बी से छः थाना करारी से पाँच कुल 30 अभियुक्तो को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय कर दिया है।

घुटने के बल बैठे-युवक की फंदे से बांध दी लाश

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। पिपरी थाना क्षेत्र के चायल चौकी अंतर्गत गिरिया खालसा गांव में शनिवार की रात 9 बजे अजय कुमार प्रजापति पुत्र राम जी की हत्या करने के बाद शव को फंदे से बांध दिया है जिससे आत्महत्या प्रतीत हो सके मृतक युवक का दोनो पैर घुटने से नीचे जमीन पर टिका हुआ है शातिर हत्यारों ने युवक की हत्या किए जाने के बाद आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया है परिजनों ने हत्या किए जाने का आरोप लगाया है और मौके की परिस्थिति भी युवक की हत्या किए जाने के बाद शव को बांधने के गवाही दे रही है सूचना पाकर घटनास्थल पर पुलिस पहुंच गई है।

फंदे से बंधी युवक की लाश

हादसे के बाद घटनास्थल पर ग्रामीणों की लगी भीड़

चेकिंग के दौरान की गई कार्यवाही

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक के निर्देश के क्रम में जनपद स्तर पर विभिन्न थानों व यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का पालन न करने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई एंव चेकिंग के दौरान दो-पहिया व चार पहिया वाहनों को चेक किया गया जिसमे यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों का 156 ई-चालान किया गया व एक वाहन का चालान कर 500 रुपए सम्मन शुल्क वसूला गया तथा 06 वाहनों को सीज किया गया।

ट्रेन से टकराकर बृद्ध की मौत

हादसे की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचे रोते बिलखते परिजन

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र कल्यानपुर निधियांवां रेलवे क्रॉसिंग पर अचानक ट्रेन से टकराकर वृद्ध की मौत हो गई। हादसे में मौत की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई है घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची शहजादपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम परीक्षण के लिए भेज दिया। मृतक के परिजनों को जैसे ही हादसे की जानकारी मिली है रोते बिलखते परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। जानकारी के मुताबिक कोखराज थाना क्षेत्र के भदवा गांव निवासी इंदल उम्र लगभग 63 वर्ष पुत्र गरीबे शनिवार की सुबह लगभग 8:00 बजे किसी काम से कल्यानपुर बाजार जा रहे थे कल्यानपुर रेलवे क्रॉसिंग को पार करते समय अचानक ट्रेन से बृद्ध टकरा गए जिससे उनकी दर्दनाक मौत हो गई घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परीक्षण के लिए भेज दिया है।

कंप्यूटर खरीद योजना की धांधली में ढाई महीने बाद भी नहीं पूरी हो सकी जांच !

अखंड भारत संदेश

ढाई महीने पहले डीपीआरओ ने तलब की थी कम्प्यूटर खरीद की पत्रावली शुरू कराई थी अनियमितता की जांच

कौशाम्बी। योगी सरकार के निर्देश पर ग्राम पंचायत में कंप्यूटर खरीद की गई थी लेकिन जिम्मेदारों ने कंप्यूटर खरीद में बड़ी हेराफेरी की जिसकी शिकायत पर ढाई महीने पूर्व जिला पंचायत राज अधिकारी ने जांच शुरू कराई थी लेकिन ढाई महीने बीत जाने के बाद भी कंप्यूटर खरीद योजना की धांधली की जांच पूरी नहीं हो सकी है शासन के निर्देश पर ग्राम पंचायत स्तर पर मिनी सचिवालय को सक्रिय करने की योजना में तेजी से कार्य शुरू हो गए उम्मीद लगाई जाती थी कि जल्द ही गांव-गांव मिनी सचिवालय शुरू हो सकते हैं शासन ने मिनी सचिवालय को ऑनलाइन योजना से जोड़ने का निर्देश दिया है जिसके तहत मिनी सचिवालय में कंप्यूटर कुर्सी मेज फर्नीचर खरीद शुरू हो गई है लेकिन भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों के लिए यह एक सुनहरा अवसर दिखाई पड़ा और कुर्सी मेज फर्नीचर कंप्यूटर खरीद में जमकर धांधली बाजी हुई घटिया क्वालिटी के पुर्जे जोड़ जोड़ कर बनाए गए असेंबल कंप्यूटर खरीदकर मिनी सचिवालय सजाए गए ढाई महीने बीत जाने के बाद मिनी सचिवालय सक्रिय नहीं हो सके योजना के बजट के मुताबिक कुर्सी मेज फर्नीचर की भी खरीद में जमकर धांधली बाजी हुई घटिया क्वालिटी के कुर्सी मेज फर्नीचर कम्प्यूटर खरीद कर फर्जी बिल वाउचर लगाए गए थे विभागीय सूत्रों की बातों को मानें तो 1 लाख 77 हजार रुपए प्रत्येक ग्राम पंचायत को कुर्सी मेज कंप्यूटर खरीद के लिए मंजूरी दी गई योजना के मुताबिक कई करोड़ रुपए कुर्सी मेज कंप्यूटर फर्नीचर खरीद करने में सरकार कौशांबी जिले में खर्च कर चुकी है लेकिन योजना से जुड़े लोगों के लिए यह सुनहरा मौका मिल गया। सूत्रों की माने तो जिले के तमाम ग्राम पंचायतों में घटिया क्वालिटी के कंप्यूटर खरीदे गए हैं एडीओ पंचायत की भी भूमिका सवालों के घेरे में है मिनी सचिवालय को सक्रिय करने की सरकार की मंशा में पंचायत विभाग के जिम्मेदारों द्वारा पलीता लगाए जाने से यह योजना सफल होती नहीं दिख रही है ग्राम पंचायतों द्वारा घटिया क्वालिटी के कंप्यूटर फर्नीचर खरीदे जाने से जल्द कंप्यूटर खराब होने की आशंका जताए जाने की शिकायत ग्रामीणों ने अधिकारियों से की जिस पर जिला पंचायत राज अधिकारी ने ढाई महीने पहले जांच शुरू करा दी शासन के निर्देश के बाद भी ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं के लाभ नहीं मिल सकें मामले की जानकारी मिलने पर ढाई महीने पूर्व जिला पंचायत राज अधिकारी ने कंप्यूटर और फर्नीचर खरीद की पत्रावली को जिले में तलब किया और अनियमितता की जांच शुरू करा दी है उनका कहना था कि जहां पर खराब कंप्यूटर खरीदे गए हैं वह बदले जा रहे हैं उन्होंने बताया कि मंझनपुर विकासखंड क्षेत्र के तमाम ग्राम पंचायतों में घटिया क्वालिटी के लोकल कंप्यूटर खरीदे गए थे जिन्हें बदलने के निर्देश दिए गए हैं घटिया क्वालिटी के कंप्यूटर खरीद करने वाले ग्राम पंचायतों के जिम्मेदारों पर कार्यवाही का संकेत भी उन्होंने दिया था लेकिन ढाई महीने बीत जाने के बाद ना तो खराब कंप्यूटर बदले गए हैं और ना खराब कंप्यूटर खरीदने वाले दोषियों पर कार्रवाई हो सकी है।

33 शिकायती पत्रों में 8 का मौके पर निस्तारण

बाकी मामलों में सख्ती के साथ निस्तारण का आदेश सीओ ने दिया

कोखराज थाने में फरियादियों की समस्याएं सुनते क्षेत्राधिकारी

अखंड भारत संदेश

कोखराज कौशाम्बी। थाना समाधान दिवस में कोखराज थाना में क्षेत्राधिकारी अवधेश विश्वकर्मा प्रशिक्षणधींन के मौजूदगी में फरियादियों की फरियाद सुनी गयीं इस मौके पर 33 फरियादियों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखी जिसमें आठ समस्याओं का निस्तारण मौके पर कर दिया है थाना समाधान दिवस के अवसर एसओ कोखराज गणेश प्रसाद सिंह चौकी प्रभारी हरर्राय पुर राकेश कुमार राय चौकी प्रभारी मूरतगंज धीरेंद्र कुमार सिंह,महेंद्र सिंह ,कानून गो अनिल कुमार अग्रहरी, लेखपाल रियाज अहमद,ज्ञान सिंह पाल, सुमित कुमार केशरवानी,अमन सिंह श्याम नारायण, देवेंद्र सिंह, आदि लोगों की मौजूदगी में समाधान दिवस सम्पन्न हुआ, मौके 33 शिकायती पत्र आये जिसमे 8 का मौके पर निस्तारण किया गया बाकी मामलों में सख्ती के साथ निस्तारण का आदेश सीओ ने दिया।

समाधान दिवस में फरियादियों की उमड़ी भीड़

कौशांबी। जनपद मुख्यालय मंझनपुर स्थित कोतवाली में समाधान दिवस के अवसर पर शनिवार को फरियादियों की भीड़ उमड़ पड़ी है क्षेत्राधिकारी प्रशिक्षण के नेतृत्व में थाना समाधान दिवस का आयोजन मंझनपुर में किया गया है मौके पर नायब तहसीलदार मंझनपुर भी मौजूद रही थाना समाधान दिवस मंझनपुर में पहुंचे फरियादियों ने अपनी शिकायतें दर्ज कराई और न्याय न मिलने की बात बताई जिस पर तमाम शिकायती पत्रों का निस्तारण गुण दोष के आधार पर मौके पर क्षेत्राधिकारी और नायब तहसीलदार ने कर दिया है और शेष बची शिकायती प्रार्थना पत्रों को अधीनस्थों को सुपुर्द करते हुए समय सीमा के अंदर गुण दोष पर निस्तारण करने का निर्देश दिया है इस मौके पर मंझनपुर कोतवाल पुलिस चौकी इंचार्ज राजस्व निरीक्षक और क्षेत्र की गणमान्य जनता मौजूद रही।

मंझनपुर कोतवाली में फरियादियों की समस्याओं को सुनते सीओ व नायब तहसीलदार

आधी अधूरी सफाई कर रोड पर सारा कूड़ा छोड़कर सफाई कर्मी नदारद

कौशांबी। नगर पंचायत दारानगर कड़ा धाम के अधिशाषी अधिकारी ने सफाई कर्मी को मस्जिद के आसपास साफ सफाई के लिए भेजा लेकिन सफाई के काम मे लापरवाही करने वाला सफाई कर्मी अपने आदत से मजबूर है जिससे सफाई नही हो सकी बकरा ईद का पर्व सामने हैं और ऐसे में नगर पंचायत अधिकारी ने मस्जिद के आसपास साफ-सफाई का काम सफाई कर्मी को सौंपा है इस कड़ी में घूरे वाली मस्जिद नखास के आसपास सफाई कर्मी पहले सफाई नहीं कर रहे थे जब ग्रामीणों ने इसका विरोध किया और शिकायत किया तो सफाई की गयी पर आधी अधूरी सफाई कर रोड पर सारा कूड़ा छोड़कर सफाई कर्मी नदारद हो गए ऐसे सफाई कर्मियों के खिलाफ फिर एक बार ग्रामीणों का गुस्सा फूट गया नगर के लोगो ने कहा कि नगर पंचायत के अधिकारी ऐसे बेलगाम सफाई कर्मी पर कड़ी कार्रवाई करें।

सड़क हादसे में मोर की हुई मौत

सराय अकिल कौशांबी। सराय अकिल थाना क्षेत्र के बेनी राम कटरा चौराहे से सराय अकिल जाने वाली सड़क पर कूड़ा पुर गांव के पास राष्ट्रीय पक्षी मोर को किसी वाहन ने टक्कर मार दिया है जिससे मोर की तड़प तड़प कर मौत हो गई है मोर की मौत की जानकारी ग्रामीणों ने पुलिस को दी है मोर की मौत की जानकारी मिलते ही मौके पर स्थानीय पुलिस पहुंची है और मोर का अंतिम संस्कार कर दिया है।

गांजा के साथ अभियुक्त किया गया गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना कौशाम्बी पुलिस बल द्वारा अभियुक्त हसन अली पुत्र लियाकत हुसैन निवासी कोसम इनाम थाना कौशाम्बी को 350 ग्राम नाजायज गाजा के साथ गिरफ्तार कर बरामदगी के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

परिवार नियोजन परामर्श दिवस के रूप में मनाया जाएगा विश्व जनसंख्या दिवस

11 जुलाई से होगा शुरू दी जाएंगी परिवार कल्याण की सुविधा

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। विश्व जनसंख्या दिवस हर वर्ष 11 जुलाई को मनाया जाता है` इस अवसर पर लोगों को छोटे परिवार के बड़े फायदे के बारे में जागरूक किया जाता है।

इस बार विश्व जनसंख्या दिवस पर 11 जुलाई को परिवार नियोजन परामर्श दिवस के रूप में भी मनाया जाएगा। इस अवसर पर लक्षित दंपति को परिवार नियोजन क्यों जरुरी है के बारे में जानकारी देने के साथ ही उन्हें परिवार नियोजन के साधनों को अपनाने के बारे में प्रेरित किया जाएगा उक्त बातें मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुष्पेंद्र कुमार ने कहा है। परिवार नियोजन कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. एच.पी मणि ने बताया कि 11 जुलाई से आयोजित होने वाले परिवार नियोजन परामर्श दिवस को मनाने की तैयारियां चल रही हैं। सभी सीएचसी, पीएचसी के प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों ने 11 जुलाई को परिवार नियोजन परामर्श एवं आशा के जरिये दंपति संपर्क पखवाड़ा व सेवा प्रदायगी पखवाड़ा में परिवार नियोजन सेवाओं से संबंधित सभी तैयारियां की जा रही हैं` आशाओं अपने क्षेत्र में परिवार नियोजन परामर्श कर इच्छुक लाभार्थी का मोबिलाइजेशन, प्री- रजिस्ट्रेशन तथा स्वास्थ्य इकाई पर परिवार नियोजन सेवाएं दिया जाना सुनिश्चित करायेगी। डॉ. मणि ने बताया कि परामर्श दिवस पर नवविवाहित जोड़ों, एक वर्ष के अंदर उच्च जोखिम अवस्था में जिनका प्रसव हुआ हो ऐसी महिला, लक्षित दंपति जो दो बच्चों के जन्म के बीच अंतर रखना चाहते हैं, लक्षित दंपति जिनका परिवार पूरा हो गया है ऐसे लोगों को परिवार नियोजन परामर्श केंद्र में उनके अनुकूल परिवार नियोजन का साधन अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

डॉ मणि ने बताया कि सभी आशाओं की जिम्मेदारी होगी कि वह परिवार नियोजन परामर्श दिवस पर लक्षित दम्पति को केंद्र तक लेकर आएं। उन्होंने बताया 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या पखवाड़े का शुभारम्भ संयुक्त जिला चिकित्सालय से जिलाधिकारी द्वारा किया जायेगा।

चार देशी बम के साथ दो अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना पश्चिम शरीरा पुलिस बल द्वारा दो अभियुतो को 4 देसी बम के साथ गिरफ्तार किया है पकड़े गए आरोपियों के विरुद्ध लिखा पढ़ी कर पुलिस ने अदालत में पेश कर दिया है जानकारी के मुताबिक शिव कुमार मौर्य पुत्र मोतीलाल निवासी अषाढ़ा थाना पश्चिम शरीरा को दो अदद देशी बम व अभियुक्त श्याम सुन्दर सिंह पुत्र नारेन्द्र निवासी दानपुर थाना पश्चिम शरीरा को दो अदद देशी बम के साथ महावा नहर पुलिया से पश्चिम शरीरा थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

एंटी रोमियो पुलिस ने महिलाओं को किया जागरूक

कौशाम्बी। मिशन शक्ति अभियान के तहत थाना सराय अकिल एंटी रोमियो पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में भ्रमण कर महिलाओं बालिकाओं को नारी सुरक्षा,स्वावलंबन एवं नारी सम्मान की दिशा में चलाए जा रहे महिला सुरक्षा संबंधी विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जागरूक किया गया। और महिलाओं बालिकाओं के उनके अधिकारों की जानकारी दी गई।

बड़ी धूमधाम से मनाया गया अभाविप स्थापना दिवस

कार्यक्रम मनाते अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्र

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा स्थापना दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया है काशी प्रांत कौशाम्बी के भरवारी नगर के सभी कार्यकताओं द्वारा अभाविप स्थापना दिवस (राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस) के अवसर पर कस्तूरबा गांधी बालिका इंटर कालेज भरवारी में मेडिकल हेल्थ कैंप ऋतु मति अभियान के तहत पैड वितरण किया गया एवं परिषद से संबंधित संगोष्ठी का आयोजन प्रातः10:30 बजे से भरवारी के कालेज में किया गया इस अवसर पर प्रांत प्रवासी कार्यकर्ता प्रवीण (शोध आयाम प्रमुख काशी प्रांत) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे साथ ही जिला संगठन मंत्री कौशाम्बी दिव्यांशु शुक्ला रिचा पाण्डेय (काशी प्रांत क्रीड़ा सह संयोजक)आशीष जयसवाल अजीत अभिषेक शालिनी राधा चिकित्साधिकारी मूरतगंज एवं टीम सहित विद्यालय की शिक्षिका कल्पना संगीता वा अन्य शिक्षिका मौजूद रहे इस अवसर पर परिषद के अन्य कार्यकर्ता विद्यालय के विद्यार्थियों की उपस्थित रही उक्त जानकारी रिचा पाण्डेय अभाविप काशी प्रांत क्रीड़ा सह संयोजक ने दी है उन्होंने कहा कि जहां जहां परिसर,वहां वहां परिषद् छात्र कल का नही,आज का नागरिक है।

जापान के पूर्व प्रधान मंत्री शिंजो आबे की निर्मम हत्या किए जाने की हिंदू महासभा ने की निन्दा

जयप्रकाश पाण्डेय को गोरक्षा प्रकोष्ठ संभाग प्रभारी प्रयागराज बनाए जाने पर दी गई बधाई

कौशाम्बी। विश्व हिंदू महासभा की एक बैठक नरेश चंद्र केसरवानी के आवास पर संपन्न हुई जिसमें जापान के पूर्व प्रधानमंत्री की हत्या की निंदा की गई और जय प्रकाश पांडे को प्रयागराज संभाग में दायित्व दिए जाने पर उन्हें बधाई दी गई है कार्यक्रम में हिंदू महासभा के तमाम लोग मौजूद रहे। विश्व हिन्दू महासंघ" के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगीआदित्यनाथ महाराज के सानिध्य में तथा भिखारी प्रजापति प्रदेश अध्यक्ष के निर्देशन मे व राम प्रसाद यादव मंडल अध्यक्ष प्रयागराज के मार्गदर्शन में, दिनांक 09 जुलाई को "विश्व हिन्दू महासंघ " जिला कार्यालय कौशाम्बी में एक सभा, जिलाध्यक्ष नरेश चन्द्र केशरवानी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई बैठक में गोरक्षा संभाग प्रभारी जयप्रकाश पाण्डेय, को जिले के समस्त कार्यकारिणी पदाधिकारियों ने जयप्रकाश पाण्डेय को गोरक्षा प्रकोष्ठ संभाग प्रभारी प्रयागराज पदोन्नत पर बधाई संदेश ज्ञापित किया तत्पश्चात जापान के पूर्व प्रधान मंत्री शिंजो आबे की निर्मम हत्या किए जाने की घोर निन्दा की गई, जिलाध्यक्ष नरेश चन्द्र पूर्व चेयरमैन ने जापान के पूर्व प्रधान मंत्री शिंजो आबे की निर्मम हत्या पर शोक प्रकट करते हुए कहा कि पूर्व प्रधान मंत्री की हत्या से भारतीयों के लिए बड़ा नुकसान हुआ है। वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष पं0सीताराम विश्वकर्मा ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि जब भारत ने परमाणु परीक्षण किया था, तब जापान की ओर से सबसे तीखी प्रतिक्रिया हुई थी और जब शिंजो आबे जापान के प्रधान मंत्री बनाए गए, तब उन्होंने भारत के साथ मधुर संबंध बनाने के हर संभव कोशिश किए थे। सभा में कोषाध्यक्ष विकास यादव, नगर अध्यक्ष मंझनपुर मुकुन्दी लाल, जिला मीडिया प्रभारी अभिषेक गुप्ता जिला मंत्री सुभाष चंद्र एवं दर्जनों कार्यकताओं ने भारत के परम मित्र की हत्या किए जाने की निन्दा किए।

बीते वर्ष की तरह इस वर्ष भी हो रहा है पौधारोपण में बड़ा खेल !

अखंड भारत संदेश

10 वर्षों के दौरान डेढ़ करोड़ से अधिक कौशांबी में पौधे लगाए जाने के बाद 10% नहीं दिखाई पड़ रहे हैं पेड़

पौधारोपण के खेल में वन विभाग के रेंज से लेकर प्रदेश स्तर के अफसरों की भूमिका की जांच कराए जाने की जरूरत

कौशाम्बी। समाजवादी पार्टी की अखिलेश यादव की सरकार द्वारा 10 वर्षों पूर्व शुरू किया गया वृहद पौधारोपण कराए जाने का अभियान पूरी तरह से फेल हो चुका है लेकिन इस अभियान को योगी सरकार के अधिकारियों ने भी बिना सोचे समझे गति दे दी है वन विभाग के अधिकारियों के लिए यह योजना कमाई का साधन बन गई है और पौधारोपण के नाम पर वन विभाग के रेंज से लेकर प्रदेश स्तर तक के अधिकारियों की बल्लेबाजी हो रही है बीते 10 वर्षों के दौरान कौशांबी जिले की धरती में लगभग डेढ़ करोड़ से अधिक पौधे रोपित किए जाने का दावा वन विभाग के अधिकारी कर रहे हैं लेकिन हकीकत यह है कि कौशांबी जिले की धरती में दावे के विपरीत 10% भी पौधे बीते दस वर्षों में रोपित नहीं हो सके हैं इस वर्ष भी पौधरोपण के नाम पर वन विभाग का बड़ा खेल चल रहा है पेड़ की टहनी और डाल काटकर पौधरोपण के नाम पर जमीन में खोसे जा रहे हैं शासन को झूठी रिपोर्ट भेजकर पौधरोपण के दावे की सफलता का ढिंढोरा पीटा जा रहा है फर्जी पौधरोपण कराए जाने के मामले में वन विभाग के रेंज से लेकर प्रदेश स्तर तक के अधिकारियों की भूमिका सवालों के घेरे में है और पौधारोपण के नाम पर बड़ा खेल करने वाले अधिकारियों ने पौधरोपण की रकम पर हेरा फेरी कर हिस्सा बंटवारा किया है बीते 10 वर्षों से फर्जी पौधरोपण करने वाले अधिकारी इस वर्ष भी पौधरोपण में बड़ा खेल कर रहे हैं जो बड़ी जांच का विषय है पौधारोपण के नाम पर मंत्री से लेकर मंडल प्रदेश और जिले के अफसरों को योगी सरकार द्वारा बड़ी जिम्मेदारी दी जाती है लेकिन केवल मीटिंग तक पूरी योजना सीमित रह जाती है जमीनी हकीकत देखने की फुर्सत किसी अधिकारी नेता को नहीं है वन विभाग के अधिकारी झूठा दावा कर पौधा रोपण की रकम बीते 10 वर्षों से हड़प रहे हैं जो विभाग की व्यवस्था पर बड़ा सवाल है इस वर्ष भी पौधरोपण की रकम में वन विभाग के अधिकारियों की नजर लग चुकी है कंजरवेटर और मुख्य वन संरक्षक की भूमिका भी सवालों के घेरे में है विभाग के बड़े अधिकारियों की साठगांठ से वन विभाग में पौधारोपण के नाम पर बीते 10 वर्षों से लगातार बड़ा खेल चल रहा है लेकिन क्या वन विभाग के इस खेल को योगी सरकार जांच कराने के बाद दोषी अधिकारियों के कारनामों को बेनकाब कर पाएगी या फिर अखिलेश सरकार में शुरू हुई इस योजना में योगी सरकार में भी वन विभाग के अधिकारी सरकारी धन को पलीता लगाते रहेंगे यह बड़ी जांच का विषय है।

न्याय के लिए भटक रहा बीडीसी सदस्य भाजपा नेता ...

अखंड भारत संदेश

साले से सांठगांठ कर कोखराज पुलिस गांजा तस्करी में जेल भेजने की बना रही है योजना

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के टेगाई गांव निवासी भोले शुक्ला सिराथू विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के नेता के साथ साथ क्षेत्र पंचायत सदस्य है उनकी पत्नी नीतू तिवारी से उनका विवाद चल रहा है मामले में 06 जून को भाजपा नेता ने कोखराज पुलिस को ऑनलाइन शिकायती पत्र प्रेषित कार ससुराली जनों पर मुकदमा दर्ज करने की मांग किया था शिकायती पत्र प्रेषित करने के बाद कोखराज पुलिस ने शांति भंग की धारा में भाजपा नेता भोले शुक्ला का चालान कर दिया लेकिन ससुराली जनों पर कार्यवाही नहीं हुई शिकायतकर्ता का कहना है कि उसके साले से सांठगांठ कर कोखराज पुलिस गांजा तस्करी में जेल भेजने की योजना बना रही है सूत्रों की माने तो टेगाई चौराहा के पहलवान बाबा के पास किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बीते 10 वर्षों से अधिक समय से खुलेआम अवैध गांजा का कारोबार किया जाता है और इस धंधे में लिप्त लोगों को पुलिस जेल भेजने के बजाय पहलवान बाबा के पास बिकने वाले गांजा में भोले शुक्ला को जेल भेजने की कोखराज पुलिस योजना बना रही है ससुराली जनों से और पुलिस से प्रताड़ित होकर भाजपा नेता बीते एक महीने से घर में नहीं रह रहे हैं और इधर उधर रहकर भाजपा नेता भोले शुक्ला अपनी जान बचा रहे हैं उन्हें आशंका है कि ससुराली जनों से सांठगांठ कर कोखराज पुलिस उन पर फर्जी मुकदमा दर्ज कर उन्हें बेवजह जेल भेज सकती हैं मामले को लेकर भाजपा नेता भोले शुक्ला ने एसपी कार्यालय में शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है।

बढ़े हुए यूरिक एसिड को कम करने के लिए खाएं ये 6 सुपरफूड्स, मिलेगा फायदा

शरीर में यूरिक एसिड का स्तर सामान्य होना बहुत जरूरी है। जब शरीर में यूरिक एसिड बहुत बढ़ जाता है तो इससे गठिया, हड्डियों और जोड़ों से जुड़ी समस्याओं का जोखिम बढ़ जाता है। जोड़ों में गंभीर दर्द, जोड़ों में अकड़न, हड्डियों और जोड़ों में सूजन, उठने और बैठने में दिक्कत, काम करने में परेशानी , तलवों और एड़ी में सूजन जैसी समस्याएं शरीर में यूरिक एसिड बढ़ने के कारण ही होती हैं। साथ ही शरीर में यूरिक एसिड का अधिक स्तर किडनी फंक्शन को भी प्रभावित करता है। बढ़े हुए यूरिक एसिड कम करने के लिए तरह-तरह की घरेलु नुस्खे आजमाते हैं, लेकिन कुछ खास फायदा देखने को नहीं मिलता है।

डायटीशियन मनप्रीत की मानें तो यूरिक एसिड कंट्रोल करने के लिए दवाओं और सही उपचार लेने की जरूरत होती है। लेकिन अगर आप इसके साथ यूरिक एसिड कम करने वाले छ फूड्स को भी डाइट में शामिल करते हैं, तो इससे यूरिक एसिड को तेजी से कम करने में मदद मिल सकती है। ऐसे कई सुपरफूड् मौजूद हैं जिनके सेवन से यूरिक एसिड को जल्दी कम करने में मदद मिल सकती है। इस लेख में हम आपको यूरिक एसिड कम करने के लिए 6 सुपरफूड्स बता रहे हैं।

1. खट्टी लाल चेरी (Tart Cherry)

गठिया के रोगियों के लिए खट्टी लाल चेरी का सेवन बहुत फायदेमंद माना जाता है। यह सीरम यूरिक एसिड एकाग्रता (Serum uric acid concentration) को कम करने में मदद करती है। अगर आप नियमित टार्ट चेरी के रस का सेवन करते हैं तो इससे यूरिक एसिड कम करने में मदद मिलती है।

2. अदरक (Ginger)

अदरक सूजन को कम करने और यूरिक एसिड को कम करने में मदद करती है। "अध्ययन में पाया गया है कि नियमित अदरक का सेवन करने से बढ़े हुए यूरिक एसिड से होने वाले दर्द को कम करने में भी मदद मिलती है।" आप अदरक को सब्जियों में मसाले के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं या अदरक की चाय का सेवन कर सकते हैं।

3. पपीता (Papaya)

अदरक की तरह पपीता भी सूजन को कम करने में मदद करता है। पपीता में पपैन होता है जो एक प्रोटियोलिटिक एंजाइम है। इसमें प्राकृतिक एंटी -इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो रक्त में यूरिक एसिड बनने से रोकते हैं। साथ ही ये प्रोटीन के बेहतर पाचन में भी सहायता करते हैं। इसलिए गठिया में पपीता का सेवन करने की सलाह दी जाती है।

4. मेथी दाना (Fenugreek Seeds)

मेथी दाना का सेवन करने से बाहरी और आंतरिक सूजन को कम करने में मदद मिलती है। यूरिक एसिड का एक बड़ा कारण शरीर का अधिक वजन या मोटापा है। मेथी के बीज का सेवन करने से वजन प्रबंधन में मदद मिलती है। इसके अलावा में मेथी कई जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो यूरिक एसिड कम करने में सहायता करते हैं। सुबह खाली पेट मेथी के बीज का पानी पीना काफी फायदेमंद साबित हो सकता है।

5. अजवाइन (Celery Seeds)

अजवाइन में लूटेओलिन (Luteolin) होता है, जो यूरिक एसिड को कम करने में मददगार है। साथ ही इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड की अच्छी मात्रा होती है, जो यूरिक एसिड कंट्रोल करने में बहुत फायदेमंद होता है।

स्वस्थ-विवेकशील समाज बनाने की हो पहल

हल्ला बोल', 'दंगल', 'ताल ठोक के', 'महाभारत', 'आर-पार....' ये वे कुछ नाम हैं न्यूज चैनलों के डिबेट-कार्यक्रमों के, जो रोज़ यह दावा करते हैं कि वे इनके माध्यम से अपने दर्शकों का ज्ञान-वर्धन करते हैं। ऐसे ही एक 'ज्ञानवर्धक' कार्यक्रम में कुछ दिन पहले भारतीय जनता पार्टी की प्रवक्ता नूपुर शर्मा ने पैगम्बर मोहम्मद के बारे में कुछ ऐसा कह दिया कि देश में जैसे आग-सी लग गयी है। इसी 'आग' के चलते राजस्थान के उदयपुर और महाराष्ट्र के अमरावती में दो व्यक्तियों की नृशंस हत्या कर दी गयी। संबंधित राजनीतिक दल ने अपनी प्रवक्ता को 'हाशिये पर का तत्व' (फ्रिंज एलीमेंट) बताकर उसे पार्टी से निलंबित कर दिया है। वैसे प्रवक्ता ने क्षमा मांग ली है, पर 'आहत' हुए लोगों का गुस्सा शांत नहीं हो रहा। प्रवक्ता का यह भी कहना है कि डिबेट में कही गयी बातों से वह उत्तेजित हो गयी थी, इसलिए उनके मुंह से कुछ आपत्तिजनक शब्द निकल गये।

धार्मिक भावनाओं का मामला बहुत संवेदनशील है, इसलिए इस संदर्भ में कुछ भी बोलने से पहले सौ बार तोलने की बात कही जाती है। बहरहाल सारा मामला अब न्यायालय में है और सभी पक्ष यह अपेक्षा कर रहे हैं कि कोई हल शीघ्र निकले। इस मामले में जो कुछ हुआ है, उसे किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। न प्रवक्ता के बयान का कोई बचाव किया जा सकता है, और न ही इस मुद्दे को लेकर फैल रही हिंसा का कोई औचित्य बताया जा सकता है। लेकिन विवेक का तकाज़ा है कि देश का हर नागरिक इस संदर्भ में अपनी भावनाओं पर काबू रखे और अपने कर्तव्य के प्रति जागरूक हो। कर्तव्य यह है कि धार्मिक उन्माद का वातावरण शांत हो। दुनिया का हर धर्म शांति, करुणा, भाईचारे की शिक्षा देता है। हम यह भी जानते हैं कि सत्य एक ही है, विद्वान अलग-अलग तरीकों से उसकी व्याख्या भर करते हैं। धर्म के सारे रास्ते एक ही ईश्वर तक पहुंचाने वाले हैं। यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि ईश्वर-अल्लाह एक हैं, इसीलिए गांधी ने 'सबको सनमति' देने की बात कही थी। पर सब कुछ जानते हुए भी हम समझना नहीं चाहते, इसीलिए टीवी की बहस तक में भड़क जाते हैं, मेरा धर्म और तेरा धर्म की बात करने लगते हैं, जबकि सब धर्म एक आदर्श जीवन जीने की राह बताने का ही काम करते हैं। जीवन के इस आदर्श में नफरत के लिए कोई जगह नहीं है- नहीं होनी चाहिए। किसी की भावनाओं को आहत करने का अधिकार न किसी को है, और न होना चाहिए। किसी भी सभ्य समाज में किसी का भी हक नहीं बनता कि वह धार्मिक भावनाओं के नाम पर नफरत का ज़हर फैलाये। इस नफरत को समाप्त करने के लिए हर नागरिक को हर संभव प्रयास करना होगा।समाज में भाईचारा बना रहे इसके लिए जो प्रयास अपेक्षित हैं, उन्हीं का हिस्सा है हमारा संविधान जो हमने स्वयं अपने लिए बनाया है। यह संविधान देश के हर नागरिक को, चाहे वह किसी भी धर्म को मानने वाला हो, समानता का अधिकार देता है। धर्म के नाम पर किसी को भी कोई विशेषाधिकार नहीं है हमारी व्यवस्था में। न ही हमारा संविधान धर्म के नाम पर किसी भी प्रकार के भेदभाव की अनुमति देता है। आसेतु हिमालय यह भारत सबका है- उन सबका जो इस देश के नागरिक हैं। और नागरिक होने की पहली और सबसे महत्वपूर्ण शर्त है, संविधान का पालन। हमारा धर्म, हमारी जाति, हमारा वर्ग, हमारा वर्ण, सब सांविधानिक मर्यादाओं से बंधे हुए हैं। समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता के आधारों पर खड़ा हमारा संविधान सर्वोपरि है। उसकी अवहेलना, उसका अपमान दोनों अपराध हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के प्रमुख न्यायाधीश ने हाल ही में अमेरिका में रह रहे भारतवंशियों को संबोधित करते हुए देश के संविधान के प्रति प्रतिबद्धता की बात कही है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि हमारी अदालतों की जवाबदेही भी संविधान के प्रति ही है। सच बात तो यह है कि सवाल सिर्फ न्यायपालिका की जवाबदेही का नहीं है। कानून बनाने वाली हमारी संसद की जवाबदेही भी हमारे संविधान के प्रति ही है और कार्यपालिका भी इसी जवाबदेही से बंधी हुई है। देश के एक सामान्य नागरिक से लेकर देश के 'प्रथम नागरिक', राष्ट्रपति, तक का यह दायित्व बनता है कि वह संविधान की मर्यादाओं में काम करे। पर एक जवाबदेही और भी है, जो संविधान के प्रति जवाबदेही से कम महत्वपूर्ण नहीं है- यह जवाबदेही समाज के प्रति होती है। जिस समाज में हम रहते हैं, जो समाज हमने स्वयं अपना जीवन जीने के लिए बनाया है, उसके प्रति भी हमारी एक जवाबदेही है। वह समाज स्वस्थ रहे, यह दायित्व भी हमारा ही है- और यहां स्वस्थ रहने का मतलब मानसिक और नैतिक स्वास्थ्य से है। हमारा दायित्व बनता है कि हम समाज के इस स्वास्थ्य के प्रति निरंतर जागरूक रहें- इस संदर्भ में न कोई कोताही बरतें और न ही किसी को कोताही बरतने दें। यही एक अच्छे और सच्चे नागरिक का कर्तव्य है।आज देश, समाज में, धर्म के नाम पर नफरत की जो आंधी फैल रही है, फैलाई जा रही है, उसे हर कीमत पर रोकना होगा। किसी को कोई हक नहीं बनता कि वह दूसरे की धार्मिक भावनाओं को आहत करे। इसके लिए हर एक को अतिरिक्त सावधानी बरतने की ज़रूरत है। हम से ऐसा कुछ हो न जाये, हमारे मुंह से ऐसा कुछ निकल न जाये, जिससे दूसरे की भावनाएं आहत हों, यह सावधानी हमारे अस्तित्व की एक शर्त है। क्या हम इसके प्रति जागरूक हैं?उदयपुर में जो कुछ हुआ, अमरावती में जो कुछ हुआ, अथवा देश के अन्य हिस्सों में सांप्रदायिकता की आग फैलाने की जो कोशिशें हो रही हैं, वे सब यही बताती हैं कि हम अपने अस्तित्व की एक महत्वपूर्ण शर्त को भूल रहे हैं, या समझना नहीं चाहते। दोनों ही बातें खतरनाक हैं- हमारे अस्तित्व के लिए खतरा हैं। इसी खतरे की आशंका को समझते हुए हमारे संविधान-निर्माताओं ने धर्म-निरपेक्षता या पंथ-निरपेक्षता को हमारे संविधान के एक महत्वपूर्ण आधार के रूप में स्वीकार किया था। यह धर्म-निरपेक्षता हमारी आवश्यकता भी है और हमारी ताकत भी।

सम्पादकीय

दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाएं

इंडोनेशिया के बाली में जी-20 सम्मेलन के दौरान चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात में एलएसी पर चीनी अतिक्रमण खत्म करने का विदेश मंत्री एस जयशंकर का दबाव कितना रंग लाता है, कहना जल्दबाजी होगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि जी-20 सम्मेलन के दौरान वास्तविक नियंत्रण से जुड़े विवाद पर विमर्श की पहल निश्चय ही सकारात्मक वातावरण बनाने में सहायक होगी। कहा जा रहा है कि एलएसी से जुड़े कई इलाकों से सेना की वापसी के लिये भारत ने चीन पर दबाव बनाया है। साथ ही दोनों विदेश मंत्रियों की बातचीत में स्वीकारा गया कि द्विपक्षीय संबंध संवेदनशीलता और आपसी हितों पर आधारित ही होने चाहिए। ऐसे में उम्मीद जगी है कि विदेश मंत्रियों की मुलाकात के बाद लद्दाख सीमा विवाद सुलझाने की दिशा में सैन्य वार्ताओं के अगले दौर का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा। निस्संदेह, बातचीत के जरिये सीमा विवाद से जुड़े सभी मुद्दों का समाधान निकाला जाना चाहिए। जो अब तक हुए द्विपक्षीय समझौतों के आलोक में आगे बढ़ने की राह प्रशस्त करे। साथ ही अब तक जिन मुद्दों पर सहमति बनी थी, अब उससे आगे बढ़ा जाये। इस बात को चीन भी स्वीकारता है कि एलएसी पर शांति स्थापित करने में दोनों देश सक्षम हैं, दोनों में इसको लेकर इच्छा भी है। साथ ही यह भी कि किसी तीसरे पक्ष द्वारा इसमें दखल की कोई गुंजाइश भी नहीं है। बहरहाल, चीन को एक स्पष्ट संकेत तो भारत की ओर से मिल ही गया कि लद्दाख में पूर्व स्थिति बहाल किये बिना दोनों देशों के संबंध सामान्य नहीं हो सकते। जरूरत इस बात की भी है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा से जुड़े तमाम विवादों का यथाशीघ्र समाधान निकाला जाये। इसके लिये सैन्य कमांडरों की वार्ता से इतर विदेश मंत्रालय के स्तर पर वार्ता का दौर जारी रहना चाहिए। उल्लेखनीय है कि इस साल चीनी विदेश मंत्री वांग यी से विदेश मंत्री एस जयशंकर की यह दूसरी मुलाकात है। पहली मुलाकात मार्च 2022 में तब हुई थी जब वांग यी भारत के दौरे पर आये थे।बहरहाल, देश के नेतृत्व को वास्तविक नियंत्रण रेखा से जुड़े तमाम विवादों की वास्तविकता से जनमानस को अवगत करना चाहिए। विदेशी सूचना माध्यमों में तथा देश के विपक्षी राजनीतिक दलों द्वारा गाहे-बगाहे एलएसी में चीनी अतिक्रमण का मुद्दा उठाया जाता रहा है। खासकर विपक्षी कांग्रेस एलएसी के मुद्दे पर खासी आक्रामक रही है और राजग सरकार पर सीमाओं को अक्षुण्ण बनाये रखने में विफल होने के आरोप लगाती रही है। अब तक देश का केंद्रीय नेतृत्व कहता रहा है कि चीनी सेना ने भारतीय इलाकों का कोई अतिक्रमण नहीं किया है। विपक्ष द्वारा कहा जाता रहा है कि देश के जनमानस को वास्तविकता का भान होना चाहिए। विपक्षी नेता सवाल पूछते रहे हैं कि यदि अतिक्रमण नहीं हुआ है तो वार्ता का आधार क्या है? निस्संदेह, स्थिति की वास्तविकता का भान न होने से संशय की आशंका रहती है। विडंबना यह भी है कि आजादी के बाद चीन से लगी सीमा का ठीक-ठीक अंकन नहीं हो सका है। दूसरे, यह इलाका भौगोलिक रूप से इतना जटिल है कि स्थायी सीमांकन के मानकों का पालन करना मुश्किल हो जाता है। निस्संदेह, साम्राज्यवादी चीन निरंतर जमीन हड़पने की नीति का अनुसरण करता आया है। हम 1962 का जख्म नहीं भूले हैं। भारत ही नहीं, चीन का दर्जनभर पड़ोसियों से सीमा विवाद जारी है। आर्थिक व सैन्य ताकत हासिल करके चीन विश्व की नंबर एक शक्ति बनने का ख्वाब देखता रहता है। इसी ताकत के नशे में अपने पड़ोसी देशों में अतिक्रमण करके अपने साम्राज्यवादी मंसूबों का पोषण करता है। बहरहाल, एलएसी पर शांति बहाली के लिए जरूरी है कि लंबित मुद्दों का निस्तारण यथाशीघ्र हो। साथ ही दोनों देशों में बातचीत का क्रम जारी रहना चाहिए। जिसके लिये जरूरी है कि पूर्व में हुई सहमतियों पर आगे बढ़ते हुए द्विपक्षीय समझौतों व प्रोटोकॉल को लागू किया जाये। निस्संदेह बातचीत का यह क्रम तो जारी रहना ही चाहिए। चीन का कारोबार व वार साथ-साथ नहीं चल सकता।

वैश्विक संकटों के माहौल में दुनिया का सबसे बड़ा मददगार साबित हुआ है भारत

अब पिछले 8 वर्षों के खंडकाल में भारत के लिए परिस्थितियां तेजी से बदली हैं एवं भारत पुन: वैश्विक स्तर पर एक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर हो रहा है। अब भारत कई क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता हासिल करते हुए अपने पड़ोसी देशों की सहायता में बहुत आगे आ रहा है।यदि भारत के प्राचीन अर्थतंत्र के बारे में अध्ययन किया जाय तो ध्यान आता है कि प्राचीन भारत की अर्थव्यस्था बहुत समृद्ध थी। ब्रिटिश आर्थिक इतिहास लेखक श्री एंगस मेडिसन एवं अन्य कई अनुसंधान शोधपत्रों के अनुसार ईसा के पूर्व की 15 शताब्दियों तक वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत का हिस्सा 35-40 प्रतिशत बना रहा एवं ईस्वी वर्ष 1 से सन 1500 तक भारत विश्व का सबसे धनी देश था। श्री एंगस मेडिसन के अनुसार, मुगलकालीन आर्थिक गतिरोध के बाद भी 1700 ईस्वी में वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत का योगदान 24.4 प्रतिशत था। ब्रिटिश औपनिवेशिक शोषण के दौर में यह घटकर 1950 में मात्र 4.2 प्रतिशत रह गया था।हॉर्वर्ड विश्वविद्यालय के श्री जेफ्रे विलियमसन के फ्रइंडियाज डीइंडस्ट्रीयलाइजेशन इन 18 एंड 19 सेंचुरीज%% के अनुसार, वैश्विक औद्योगिक उत्पादन में भारत का हिस्सा, ईस्ट इंडिया कम्पनी के भारत आने के समय जो 1750 में 25 प्रतिशत था, घट कर 1900 में 2 प्रतिशत तक आ गया और इंग्लैंड का हिस्सा जो 1700 में 2.9 प्रतिशत था, 1870 तक ही बढ़कर 9 प्रतिशत हो गया था। भारत में पढ़ाई जा रही आर्थिक पुस्तकों में प्राचीन भारत के आर्थिक वैभवकाल का वर्णन नहीं के बराबर ही मिलता है। प्राचीन भारत में कुटीर उद्योग बहुत फल फूल रहा था इससे सभी नागरिकों को रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध रहते थे एवं हर वस्तु का उत्पादन प्रचुर मात्रा में होता था। ग्रामीण स्तर पर भी समस्त प्रकार के आवश्यक उत्पाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहते थे अत: वस्तुओं के दामों पर सदैव अंकुश रहता था। बल्कि कई बार तो वस्तुओं की बाजार में आवश्यकता से अधिक उपलब्धि के कारण उत्पादों के दामों में कमी होते देखी जाती थी। जबकि आज के बाजारों में वस्तुओं की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता नहीं रहने के चलते मुद्रास्फीति की दर बहुत ऊपर पाई जा रही है।

विश्व के कई भागों में सभ्यता के उदय से कई सहस्त्राब्दी पूर्व, भारत में उन्नत व्यवसाय, उत्पादन, वाणिज्य, समुद्र पार विदेश व्यापार, जल, थल एवं वायुमार्ग से बिक्री हेतु वस्तुओं के परिवहन एवं तत्संबंधी आज जैसी उन्नत नियमावलियां, व्यवसाय के नियमन एवं करारोपण के सिद्धांतों का अत्यंत विस्तृत विवेचन भारत के प्राचीन वेद ग्रंथों में प्रचुर मात्रा में मिलता है। प्राचीन भारत में उन्नत व्यावसायिक प्रशासन व प्रबंधन युक्त अर्थतंत्र के होने के भी प्रमाण मिलते हैं। परंतु, पिछले लगभग 1000 वर्षों के दौरान अरब देशों से आक्रांताओं के लगातार आक्रमण एवं लूट खसोट तथा अंग्रेजों के शासनकाल के चलते भारत अपने वैभव काल से धरातल पर आ गया था। परंतु, अब पिछले 8 वर्षों के खंडकाल में भारत के लिए परिस्थितियां तेजी से बदली हैं एवं भारत पुन: वैश्विक स्तर पर एक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर हो रहा है। अब भारत कई क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता हासिल करते हुए अपने पड़ोसी देशों की सहायता में बहुत आगे आ रहा है। हाल ही के समय में भारत अपने कई पड़ोसी देशों का संकटमोचक बना है। आर्थिक संकट के बुरे दौर से गुजर रहे श्रीलंका को भारत ने इस वर्ष की शुरुआत से अब तक 350 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई है। इसके अलावा भारत की ओर से 4 लाख टन ईंधन के साथ खाद्य सामग्री और दवाईयों की आपूर्ति भी की गई है। इसी प्रकार आपदाग्रस्त अफगानिस्तान में भी भारत लगातार राहत सामग्री भेज रहा है। भारत, मानवीय सहायता के तहत अब तक 7 खेप में 20 टन दवाईयां भेज चुका है। जिसमें जीवनरक्षक दवा, टीबी रोधी दवा, कोविड रोधी टीके की 5 लाख खुराक शामिल हैं। साथ ही, भारत ने अब तक 35 हजार मीट्रिक टन गेहूं भी अफगानिस्तान को मानवीय आधार पर उपलब्ध कराया है।

जब से रूस एवं यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू हुआ है तब से वैश्विक स्तर पर खाद्य पदार्थों विशेष रूप से गेहूं की उपलब्धता में बहुत कमी आ गई है क्योंकि रूस और यूक्रेन दोनों ही देश, गेहूं का सबसे अधिक निर्यात करते हैं। ऐसे समय में भी भारत द्वारा ही कई देशों को गेहूं की आपूर्ति की जा रही है। हालांकि भारत ने अपने देश में गेहूं की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के उद्देश्य से 13 मई 2022 को गेहूं के निर्यात पर पाबंदी लगा दी है। परंतु, इसके बावजूद मानवीय पहलुओं को ध्यान में रखकर लगभग 12 देशों को 18 लाख टन गेहूं का निर्यात अभी हाल ही में किया गया है। अभी तक जिन देशों को गेहूं का निर्यात किया गया है उनमें शामिल हैं, दक्षिणी कोरीया, वियतनाम, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, बंगलादेश, अफगानिस्तान, ओमान, फिलीपीन, श्रीलंका, सूडान, थाईलैंड, स्विट्जरलैंड, भूटान, इजराईल, इंडोनेशिया, मलेशिया, नेपाल और यमन।वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान तो भारत से कृषि उत्पादों का निर्यात लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए अपने उच्चतम स्तर 5000 करोड़ अमेरिक डॉलर पर पहुंच गया है। गेहूं के निर्यात ने 273 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की एवं चावल के निर्यात में भारत ने वैश्विक स्तर पर 50 प्रतिशत की हिस्सेदारी हासिल कर ली है। इसी प्रकार, भारत का समुद्री निर्यात भी नित नए कीर्तिमान बना रहा है। समुद्री उत्पादों का निर्यात वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 30.26 प्रतिशत बढ़कर 776 करोड़ अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया। भारत ने 13,69,264 टन समुद्री खाद्य उत्पादों का निर्यात किया। साथ ही, भारत का वस्त्र और परिधान निर्यात भी वित्तीय वर्ष 2021-22 में 41 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 4,440 करोड़ अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया, जो अब तक किसी भी वित्तीय वर्ष में सबसे अधिक है। कपड़ों के कुल निर्यात में मानव निर्मित कपड़े और परिधान की 14 प्रतिशत (630 करोड़ अमेरिकी डॉलर) तथा हस्तशिल्प की 5 प्रतिशत (210 करोड़ अमेरिकी डॉलर) हिस्सेदारी रही। भारत से अमेरिका को सबसे अधिक 27 प्रतिशत वस्त्र और परिधान का निर्यात किया गया।

अहमद शहजाद बोले- ब्रैड पिट करे मेरी बायोपिक, फैंस बोले- यह 15 मिनट की ही बनेगी

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी क्रिकेटर अहमद शहजाद इस बार अपनी इच्छा जाहिर करने के चलते सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रहे हैं। दरअसल, एक इंटरव्यू में पाकिस्तानी जर्नलिस्ट सैयद याहया हुसैनी ने अहमद शहजाद से यह पूछा था कि अगर उनकी जिंदगी पर बायोपिक बने तो उसमें वह किसी अभिनेता देखना चाहते हैं। इस पर शहजाद ने हॉलीवुड के सबसे महंगे एक्टर रहे ब्रैड पिट का नाम लिया। इंटरव्यू के कुछ अंश की वीडियो हुसैनी ने अपने ट्विटर अकाऊंट पर पोस्ट की है। इस पर क्रिकेट फैंस ने जमकर प्रतिक्रियाएं दी हैं। एक फैंस ने लिखा- जितना बड़ा आपका करियर है उसपर तो 15 मिनट की ही बायोपिक बनेगी। वहीं, एक ने कमेंट किया- यह सही बात है (ब्रैड पिट का चुनाव)। अहमद शहजाद का रोल करने के लिए एक अभिनेता को अच्छी एक्टिंग आनी चाहिए।

शहजाद अपनी अच्छा जाहिर करने पर खूब ट्रोल हुए-

बता दें कि अहमद शहजाद ने हाल ही में पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वकार यूनुस पर उनका क्रिकेटिंग करियर बर्बाद करने का आरोप लगा चर्चा में आए थे। शहजाद ने कहा कि साल 2016 में वकार ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को एक रिपोर्ट दी थी जिसमें कहा गया था कि अगर अहमद शहजाद और उमर अकमल को नेशनल टीम में वापस आना है तो उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलना जरूरी होगा। इंटरव्यू में शहजाद ने कहा कि मुझे पीसीबी के एक अधिकारी ने कहा कि तुम पर कई इल्जाम हैं। मुझे लगता है कि हमें आमने-सामने बैठकर इस बारे में बात करनी चाहिए थी और मैं यह चैलेंज देने को तैयार हूं। फिर पता चल जाएगा कि कौन सही है और कौन गलत। मुझे अपनी बात रखने का मौका ही नहीं मिला। यह सब सोची-समझी चाल थी। उन्हें एक पत्थर से दो चिड़ियों को मारना था।

खेल मंत्रालय ने योजनाओं, पुरस्कारों के लिये ऑनलाइन पोर्टल लांच किया

नई दिल्ली। अब योग्य खिलाड़ियों और पूर्व खिलाड़ियों को अपने पुरस्कार और बकाया राशि हासिल करने के लिये राष्ट्रीय महासंघ और सरकारी दफ्तरों तक भागने की जरूरत नहीं होगी क्योंकि खेल मंत्रालय ने अब इन प्रक्रियाओं को ऑनलाइन कर दिया है। खेल मंत्रालय अनुराग ठाकुर ने अपने विभाग के लिये तीन बड़ी पहल लांच की जिसमें खेल विभाग की योजनाओं के लिये ऑनलाइन पोर्टल, राष्ट्रीय खेल विकास कोष (एनएसडीएफ) की वेबसाइट और खिलाड़ियों के लिये नकद पुरस्कार, राष्ट्रीय कल्याण और पेंशन की संशोधित योजना शामिल है। सक्रिय खिलाड़ी अब खेल विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं जबकि कॉरपोरेट, पीएसयू और व्यक्ति इसकी नयी वेबसाइट पर एनएसडीफए कोष में योगदान कर सकते हैं। ठाकुर ने इस पहल को 'क्रांतिकारी' करार करते हुए कहा कि इससे पारदर्शिता लाने और जवाबदेही में मदद मिलेगी, इसके अलावा सरकार के 'डिजिटल इंडिया मिशन' को बढ़ावा भी मिलेगा। ठाकुर ने कहा, ''हम अपने खिलाड़ियों को सुविधायें मुहैया कराना जारी रखेंगे लेकिन अगर हम तकनीक को इन सुविधाओं के साथ जोड़ सकें तो यह काफी फायदेमंद हो सकता है।''

उन्होंने लांच के मौके पर कहा, ''अगर किसी खिलाड़ी को अच्छे प्रदर्शन के बाद सरकार से पुरस्कार और मान्यता लेनी होती है तो उन्हें महासंघ या इससे पहले भारतीय खेल प्राधिकरण के जरिये जाना पड़ता था जिसके बाद इसकी जांच होती और इससे खिलाड़ियों को अपनी बकाया राशि मिलने में करीब एक या दो साल लग जाते।

गुजरात में 27 सितंबर से होंगे राष्ट्रीय खेल : मुख्यमंत्री पटेल

अहमदाबाद। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने घोषणा की कि 36वें राष्ट्रीय खेल 27 सितंबर से 10 अक्टूबर के बीच प्रदेश में होंगे । गुजरात पहली बार इन खेलों की मेजबानी कर रहा है ।

मुख्यमंत्री पटेल ने सुबह ट्वीट किया ,'' गुजरात में 36वें राष्ट्रीय खेल 27 सितंबर से 10 अक्टूबर के बीच होंगे । मैं भारतीय ओलंपिक संघ का शुक्रगुजार हूं जिसने इन खेलों की मेजबानी की गुजरात की पेशकश स्वीकार की ।'' उन्होंने कहा कि गुजरात के पास इन खेलों की मेजबानी के लिये विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा है और प्रदेश प्रशासन इन्हें अब तक के सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय खेल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा । प्रदेश के खेलमंत्री हर्ष सांघवी ने कहा कि गुजरात के छह शहरों अहमदाबाद, गांधीनगर, सूरत, वडोदरा , राजकोट और भावनगर मे खेलों का आयोजन होगा । उन्होंने एक बयान में कहा ,'' देश के 7000 से अधिक शीर्ष खिलाड़ी 34 इंडोर और आउटडोर खेलों में पदक के लिये जोर आजमाइश करेंगे ।''

राष्ट्रमंडल खेल 2022 के लिए भारतीय दल रवाना, 215 सदस्यीय दल में 107 महिला एथलीट्स

नई दिल्ली । भारतीय ओलिम्पिक संघ (आईओए) ने बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2022 के लिए भारतीय दल को रवाना किया। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने एथलीट्स की रवानगी मौके कहा कि इस बार यह खेलें खास है क्योंकि इसमें कुल 215 सदस्यों में 108 पुरुष और 107 महिला एथलीट्स हैं।

महिलाएं लगातार अच्छा कर रही हैं। मौके पर टोक्यो 2020 ओलिम्पिक पदक विजेता रवि दहिया, बजरंग पुनिया, पीआर श्रीजेश, हॉकी टीम कप्तान मनप्रीत सिंह और लवलीना बोरगोहेन भी मौजूद रहीं। समारोह में कामनवेल्थ सदस्यों के लिए आधिकारिक किट का अनावरण भी किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा- भारतीय खेल विश्व स्तर पर ऊंचाइयां छू रहा है। हमने ऐतिहासिक थॉमस कप भी जीता। और अब नजरें भारतीय राष्ट्रमंडल टीम पर हैं जोकि निश्चित रूप से हमारी अब तक की सबसे अच्छी और मजबूत टीम है। मुझे विश्वास है कि हमारे सभी एथलीट भारत के लिए पदक जीतेंगे। सभी को शुभकामनाएं।

आईओए के महासचिव राजीव मेहता ने कहा- हम टीम के मजबूत प्रदर्शन को लेकर आश्वस्त हैं।

पदक जीतने पर मिलेगी नकद राशि- स्वर्ण विजेताओं को 20 लाख रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा जबकि रजत विजेताओं के लिए 10 लाख रुपए निर्धारित किए गए हैं। कांस्य पदक विजेताओं को साढ़े 7 लाख रुपए दिए जाएंगे।

ऐसा रहा पिछला रिकॉर्ड

4 साल पहले ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने 26 स्वर्ण सहित 66 पदक जीते थे। भारत ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बाद तीसरे स्थान पर हा था। 26 में से 25 स्वर्ण बैडमिंटन, मुक्केबाजी, निशानेबाजी, टेबल टेनिस, भारोत्तोलन और कुश्ती में मिले थे।

भारत की टीमें घटीं

बर्मिंघम में भारत बार सिर्फ 10 खेलों में ही प्रतिस्पर्धा करेगा। गोल्ड कोस्ट में यह संख्या 15 थी। भारत को निशानेबाजी में सात स्वर्ण मिले थे लेकिन यह गेम 2022 कैलेंडर का हिस्सा नहीं है। इसमें भारतीय महिला क्रिकेट टीम भी देखेगी। निशानेबाजी न होने के कारण बैडमिंटन, बॉक्सिंग, हॉकी, भारोत्तोलन और कुश्ती पर नजरें रहेंगी।

मलेशिया मास्टर्स : ताई जू यिंग से हारकर पीवी सिंधु बाहर

कुआलालंपुर। भारत की शीर्ष शटलर पीवी सिंधु चीनी तापेई की ताई जू यिंग से क्वार्टरफाइनल मुकाबला हारकर मलेशिया मास्टर्स से बाहर हो गईं। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता यिंग ने सिंधु को एक्सियाटा एरिना में 55 मिनट चले मुकाबला में 21-13, 12-21, 21-12 से मात दी। यह सिंधु की यिंग के खिलाफ लगातार सातवीं हार है। दोनों अब तक 22 बार आमने-सामने आए हैं जिसमें सिंधु को 17 बार हार का सामना करना पड़ा है। पहले गेम में सिंधु को ताई जू का डिफेंस तोड़ने में परेशानी का सामना करना पड़ा और हाफ टाइम तक वह 9-11 से पीछे चल रही थीं। बैकहैंड शॉट का उचित प्रयोग करते हुए चीनी

तापेई खिलाड़ी ने पहला गेम 21-13 से जीतकर मैच में 1-0 की लीड हासिल की। सिंधु ने दूसरे गेम में बेहतरीन फुटवर्क दिखाते हुए 11-4 की बढ़त हासिल कर ली। यिंग ने मैच में वापसी करने का प्रयास किया लेकिन शुरुआती बढ़त की बदौलत सिंधु ने दूसरा गेम 21-12 से जीत लिया। निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर हुई।

सिंधु ने शुरुआती बढ़त हासिल करने के बाद अपनी लय खो दी और एक साथ कई पॉइंट गंवा दिए। यिंग ने इसका फायदा उठाते हुए तेजी के साथ तीसरा गेम 21-12 से जीतकर सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। इससे पहले सिंधु टोक्यो ओलंपिक सेमीफाइनल में भी यिंग से हार चुकी हैं। हाल ही में मलेशिया ओपन के क्वार्टरफाइनल में भी उन्हें यिंग के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

विम्बलडन : क्रॉक्जकि-स्कूपस्की ने लगातार दूसरी बार जीता मिश्रित युगल खिताब

लंदन। अमरीका की डेसिरै क्रॉक्जकि और ब्रिटेन के नील स्कूपस्की ने ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एब्डेन और सैम स्टोसुर को हराकर लगातार दूसरी बार विम्बलडन का मिश्रित युगल खिताब अपने नाम किया। क्रॉक्जकि-स्कूपस्की की जोड़ी ने खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई युगल को 6-4, 6-3 के सीधे सेटों में मात दी।

इससे पहले यह जोड़ी विम्बलडन 2021 का मिश्रित युगल खिताब भी जीत चुकी है। अपने घर के ग्रैंड स्लैम में अपने माता-पिता के सामने खेलने को लेकर उत्सुक स्कूपस्की ने मैच के बाद बताया कि यह जोड़ी टूर्नामेंट शुरू होने से कुछ समय पहले तक मिश्रित युगल प्रतियोगिता में हिस्सा लेने पर विचार नहीं कर रही थी।

स्कूपस्की ने कहा, 'मुझे डेस ने आखिरी मिनट में खेलने के लिए बुलाया। हम खेलने वाले नहीं थे, इसलिए हम केवल दो सप्ताह के लिए एक टीम के रूप में रहे हैं। अगर वह मेरे साथ खेलती हैं तो हम अगले साल तीसरे खिताब के लिए प्रयास करेंगे।' 1996-97 में चेक भाई-बहन सिरिल सुक और हेलेना

सुकोवा के बाद क्रॉक्जकि-स्कूपस्की दो विम्बलडन मिश्रित युगल जीतने वाली पहली टीम है।

चैंपियनशिप में मिश्रित युगल खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने वाले अंतिम ब्रिटिश व्यक्ति जॉन लॉयड (1983-84) थे, जबकि ऐसा करने वाली अंतिम अमरीकी महिला बिली जीन किंग (1973-74) थीं। क्रॉक्जकि ने 2021 में तीन ग्रैंड स्लैम मिश्रित युगल खिताब जीते हैं, जिसमें विम्बलडन के अलावा रोलां गैरो और यूएस ओपन शामिल हैं।

आईस हॉकी गोलकीपर मिकायला डेमैटर 19 साल की उम्र में खेल छोड़ इंस्टाग्राम मॉडल बनी

टोरंटो। मिकायला डेमैटर इंस्टाग्राम पर अपनी शानदार तस्वीरों के कारण सोशल मीडिया पर चर्चा का कारण बनी हुई हैं। 20 वर्षीय कनाडाई सुंदरी मिकायला ने अपने करियर की शुरूआत पेशेवर आइस हॉकी गोलकीपर के रूप में की थी लेकिन अपने ग्लैमर्स लुक के कारण उन्होंने अपना पेश बदल लिया। अब वह इंस्टा. मॉडल हैं। उनकी खिंचवाई फोटोज फैंस बेहद पसंद करते हैं। कनाडा के एक उपनगर वुडब्रिज में पली-बढ़ी डेमेटर टोरंटो बचपन से ही आइस हॉकी में झुकाव रखती थी। कम उम्र में ही वह प्रांतीय महिला हॉकी लीग में ब्लूवाटर हॉक्स में खेलीं। पिछले साल जून में डेमैटर ने इंस्टाग्राम पर खुलासा किया कि वह 19 साल की उम्र में आइस हॉकी को 'अलविदा' बोल रही है। कहा गया कि डेमैटर को घुटने की सर्जरी के कारण खेल से संन्यास लेना पड़ा। एक पोस्ट में डेमेटर ने लिखा- यह आइस हॉकी को अलविदा कहने का समय है। यह पृष्ठ को चालू करने और मेरे जीवन के अगले अध्याय में जाने का समय है। अब मैं भविष्य के बारे में उत्साहित हूं क्योंकि आपने मुझे जो कुछ भी सिखाया है वह मुझे सफल होने देगा। अभी भी सुबह, नए रोमांच और नए दोस्त होंगे, और मुझे आशा है कि मैं उन्हें उसी प्यार और जुनून के साथ गले लगाऊंगा जो मैंने आपके लिए किया था। अपने दस्तानों को लटकाने के तुरंत बाद डेमैटर ने खुद को पूरी तरह से फैशन की दुनिया में समर्पित करने का फैसला किया। पिछले एक या दो साल में उनके इंस्टाग्राम पर 1.3 फॉलोअर्स हो गए हैं। जोकि उनकी जिम में, स्विमिंग पूल में और समुद्र तट पर खींची गई फोटोज को खूब पसंद करते हैं।

खेल मंत्रालय ने योजनाओं, पुरस्कारों के लिये ऑनलाइन पोर्टल लांच किया

नई दिल्ली। अब योग्य खिलाड़ियों और पूर्व खिलाड़ियों को अपने पुरस्कार और बकाया राशि हासिल करने के लिये राष्ट्रीय महासंघ और सरकारी दफ्तरों तक भागने की जरूरत नहीं होगी क्योंकि खेल मंत्रालय ने अब इन प्रक्रियाओं को ऑनलाइन कर दिया है। खेल मंत्रालय अनुराग ठाकुर ने अपने विभाग के लिये तीन बड़ी पहल लांच की जिसमें खेल विभाग की योजनाओं के लिये ऑनलाइन पोर्टल, राष्ट्रीय खेल विकास कोष (एनएसडीएफ) की वेबसाइट और खिलाड़ियों के लिये नकद पुरस्कार, राष्ट्रीय कल्याण और पेंशन की संशोधित योजना शामिल है। सक्रिय खिलाड़ी अब खेल विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं जबकि कॉरपोरेट, पीएसयू और व्यक्ति इसकी नयी वेबसाइट पर एनएसडीफए कोष में योगदान कर सकते हैं। ठाकुर ने इस पहल को 'क्रांतिकारी' करार करते हुए कहा कि इससे पारदर्शिता लाने और जवाबदेही में मदद मिलेगी, इसके अलावा सरकार के 'डिजिटल इंडिया मिशन' को बढ़ावा भी मिलेगा।

हरिका और हम्पी महिला स्पीड शतरंज चैंपियनशिप 2022 के क्वाटर फाइनल में पहुंची

हैदराबाद। शतरंज ओलंपियाड शुरू होने में अब सिर्फ 20 दिन बाकी है और भारतीय टीम के खिलाड़ी इस समय अपनी तैयारियों से यह दिखा रहे है की इस बार वह पदक जीतने के लिए तैयार है । भारत की नंबर 1 और 2 महिला खिलाड़ी ग्रांड मास्टर कोनेरु हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली नें फीडे महिला स्पीड शतरंज चैंपियनशिप 2022 के प्ले ऑफ के महत्वपूर्ण मुक़ाबले में क्रमशः जॉर्जिया की नाना दगनिडजे और पेरु की डेसी कोरी को पराजित करते हुए क्वाटर फाइनल में जगह बना ली है । चेस डॉट कॉम पर ऑनलाइन खेले जाने वाली इस आधिकारिक शतरंज चैंपियनशिप के क्वाटर फाइनल में अब हरिका को हमवतन युवा खिलाड़ी और ओलंपियाड में उनकी टीम की सदस्य आर वैशाली का सामना करना होगा तो कोनेरु हम्पी के सामने रूस की लागनों काटेरयना होंगी ।कोनेरु हम्पी और हरिका नें इस मुक़ाबले में होने वाले फटाफट शतरंज के तीनों सेट अपने नाम किए । हम्पी नें नाना को 14 - 11 से तो हरिका नें कोरी को 18.5-8.5 के अंतर से पराजित किया ।

अब तक भारत की तीन खिलाड़ियों समेत रूस की अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक , गुनिना वालेंटीना और लागनों काटेरयना ,चीन की तान ज़ोंगाई अपनी जगह अंतिम 8 मे बना चुकी है जबकि यूएसए की यिप करसिया और चीन की हाऊ ईफ़ान के बीच मुक़ाबले से अंतिम खिलाड़ी का नाम तय हो जाएगा ।

स्टीव स्मिथ ने सिडनी वाला घर दोगुनी कीमत पर बेचा

सिडनी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ ने सिडनी में किंग्स रोड में अपना घर बेचकर 30 करोड़ रुपए का आश्चर्यजनक लाभ कमाया है। उन्हें इस डील से दोगुनी कमाई हुई है। उन्होंने इससे पहले घर 6.6 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 35 करोड़ रुपए) में खरीदा था और अब इसे लगभग 12.38 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 65 करोड़ रुपए) में बेचा है। 59 किंग्स रोड स्थित इस घर की नीलामीकर्ता डेमियन कूली द्वारा 11.5 मिलियन की शुरुआती बोली पर नीलामी शुरू की गई थी। बोली 11.5 मिलियन डॉलर (एनजेडडी) की पेशकश के साथ खुली और जल्द ही दो खरीदारों ने बिक्री मूल्य को 12 मिलियन डॉलर से अधिक कर दिया। 766 वर्गमीटर में बने इस घर में सिनेमा, गर्म पूल और चिमनी के साथ-साथ बंदरगाह के दृश्यों सहित कई लुभावनी विशेषताएं हैं। घर में नवीनतम टेक्नोलॉजी है जोकि वाइस कमांड पर काम करती है। इसमें एक होम थिएटर, वाइन स्टोरेज रूम, शानदार बाथरूम, एक डबल गैरेज और एक विशाल बेडरूम है जिसमें एक बड़े ड्रेसिंग रूम और एक ढकी हुई बालकनी के साथ ऊपरी मंजिल का लगभग आधा हिस्सा शामिल है। घर पूरी तरह से नवीनतम तकनीकों से सुसज्जित है जिसमें गर्म फर्श, रिमोट कंट्रोल दरवाजे अदि हैं।

अश्विन टेस्ट से बाहर हो सकते है तो टी20 टीम से कोहली को भी हटाया जा सकता है: कपिल

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान कपिल देव का मानना है कि अगर रविचंद्रन अश्विन जैसे प्रतिभाशाली गेंदबाज को टेस्ट टीम की अंतिम एकादश से बाहर किया जा सकता है, तो लंबे समय से लय के लिए जूझ रहे विराट कोहली को भी टी20 टीम से बाहर करना बड़ा मसला नहीं होना चाहिये।

कोहली लगभग तीन साल से बड़ी पारी खेलने के लिए जूझ रहे हैं। भारत को पहली बार विश्व चैंपियन बनाने वाले इस हरफनमौला कप्तान का मानना है कि अगर भारतीय टीम प्रबंधन शानदार लय में चल रहे खिलाड़ियों को अपने कौशल के प्रदर्शन के लिए पर्याप्त अवसर नहीं देगा तो यह उनके साथ नाइंसाफी होगी।

कपिल ने एबीपी न्यूज से कहा, '' अगर आप टेस्ट के दूसरे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज अश्विन को टीम से बाहर बैठा सकते है तो विश्व का नंबर एक खिलाड़ी भी बाहर बैठ सकता है। ''

कपिल ने कहा, ''मैं चाहता हूं कि कोहली रन बनाये लेकिन इस समय विराट कोहली उस तरह से नहीं खेल रहे है जिनको हम जानते है। उन्होंने अपने प्रदर्शन के दम पर अपना नाम बनाया है और अगर वह प्रदर्शन नहीं करेंगे तो नये खिलाड़ियों को आप बाहर नहीं रख सकते है।'' भारत के इस पूर्व कप्तान ने कहा कि वह चाहते है कि कोहली और युवा खिलाड़ियों में टीम में जगह के लिए अच्छी प्रतिस्पर्धा हो।

उन्होंने कहा , ''मैं चाहता हूं कि नये खिलाड़ी ऐसा प्रदर्शन करें कि विराट के लिए चीजें मुश्किल हो और विराट इस तरह से वापसी करें कि नये खिलाड़ियों को अपना स्तर और ऊंचा करना पड़े। मैं चाहता हूं कि दोनों में अच्छी प्रतिस्पर्धा हो। विराट को इस तरह से सोचना चाहिए कि वह एक समय टीम के शीर्ष बल्लेबाज थे और इस टीम में भी उन्हें ऐसा ही करना है। यह टीम के लिए अच्छी समस्या है।'' कपिल ने कहा कि वेस्टइंडीज दौरे से विराट का 'विश्राम' लेना उनके लिए टीम से 'बाहर' होना माना जाना चाहिये। उन्होंने कहा , ''आप चाहे तो इसे विश्राम कह ले या फिर टीम से बाहर होना कह सकते है। इस पर हर किसी का अपना विचार हो सकता है। अगर चयनकर्ताओं ने उनका चयन नहीं किया है तो इसका कारण यह हो सकता है कि बड़े खिलाड़ी प्रदर्शन नहीं कर पा रहे'' कपिल ने कहा कि अंतिम एकादश का चयन मौजूदा फॉर्म के आधार पर किया जाना चाहिए न कि पहले के प्रदर्शन के आधार पर। उन्होंने कहा, '' जब आपके पास बहुत सारे विकल्प हों, तो लय में चल रहे खिलाड़ियों को मौका दे। आप केवल प्रतिष्ठा के आधार पर नहीं जा सकते । आपको मौजूदा फॉर्म के आधार पर चयन करना होगा। आप एक स्थापित खिलाड़ी हो सकते हैं लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि लगातार पांच मैचों में खराब प्रदर्शन के बाद भी आपको मौके दिए जाएंगे।''

व्हाइट हाउस में ट्रंप के वकील रहे सिपोलोन ने छह जनवरी की हिंसा के संबंध में गवाही दी

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस के पूर्व वकील पैट सिपोलोन संसद भवन में छह जनवरी को हुई हिंसा की जांच कर रही समिति के समक्ष पेश हुए। इस दौरान उन्होंने पिछले गवाहों की गवाही से ''विरोधाभासी गवाही नहीं दी।'' अमेरिका के एक सांसद ने बताया कि दिन भर चली कार्यवाही में भविष्य में होने वाली सुनवाई के लिए नयी जानकारियां सामने आईं। उन्होंने बताया कि ऐसा सामने आया था कि सिपोलोन ने डोनाल्ड ट्रंप को 2020 के चुनावी नतीजों को चुनौती देने से रोकने की कोशिश की थी तथा चुनावों में हार का सामना करने वाले राष्ट्रपति को हिंसक भीड़ में शामिल होने से रोका था। इस भीड़ ने अमेरिकी संसद भवन को घेर लिया था। सांसद जो लोफग्रेन ने शुक्रवार को सीएनएन से कहा, ''सिपोलोन ने मामले में अन्य गवाहों की गवाही से विरोधाभासी गवाही नहीं दी।''

चीन ने फिर दी धमकी– ताइवान के साथ सैन्य 'मिलीभगत' बंद करे अमेरिका

बीजिंग। द्विपक्षीय संबंधों में लगातार तनाव वृद्धि के बीच चीन ने अमेरिका से दोनों देशों के सेना प्रमुखों (ज्वायंट चीफ ऑफ स्टॉफ) की डिजिटल बैठक के दौरान ताइवान से सैन्य 'मिलीभगत'बंद करने की मांग की है। चीन के सेना प्रमुख जनरल ली जुओचेंग ने अमेरिकी सैन्य प्रमुख जनरल मार्क मिले से कहा कि चीन के लिए अपने 'मूल हितों' से जुड़े मुद्दों पर 'समझौते की कोई गुजाइंश नहीं' है और उन मूल हितों में स्वशासित ताइवान भी है। चीन,

ताइवान पर अपना दावा करता है तथा वह जरूरत पड़ने पर बलप्रयोग से भी उसे मिलाने की मंशा रखता है। ली ने कहा, '' चीन अमेरिका से .... इतिहास को नहीं पलटने, ताइवान के साथ सैन्य मिलीभगत नहीं करने, चीन-अमेरिका संबंधों एवं ताइवान जलडमरूमध्य में स्थायित्व पर असर डालने से बचने की मांग करता है। 'उन्होंने कहा कि चीनी सेना ''राष्ट्रीय संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता की दृढ़ता से रक्षा करेगी।' चीन नियमित रूप से ऐसी भाषा का इस्तेमाल करता है और उसके रक्षा मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार ली ने कहा कि जानबूझकर टकराव पैदा करने एवं भड़काऊ घटनाओं के बजाय चीन संवाद एवं सहयोग बढ़ाने की उम्मीद करता है।चीन हमले की अपनी धमकी जगजाहिर करने के लिए नियमित रूप से जंगी विमानों को ताइवान के करीब उड़ाता है । ताइवान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार चीनी वायुसेना के विमान ने दोनों पक्षों को विभाजित करने वाले ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार किया। ली और मिले के बीच इस बैठक से पूर्व चीन के रक्षा मंत्री वी फेंगे ने पिछले महीने क्षेत्रीय सुरक्षा सम्मेलन में तीखा बयान दिया था । उस सम्मेलन में अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन भी थे।

क्वॉड व संयुक्त राष्ट्र आबे की हत्या से स्तब्ध , कहा– हिंद प्रशांत क्षेत्र को सुरक्षित बनाना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि

संयुक्त राष्ट्र। जापान के साथ क्वॉड समूह की स्थापना करने वाले देशों भारत, ऑस्ट्रेलिया, और अमेरिका के नेताओं ने जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की हत्या पर शोक व्यक्त करते हुए कहा है कि उन्होंने समूह की स्थापना में 'रचनात्मक भूमिका' निभाई और मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने को लेकर अथक प्रयास किए। आबे (67) को शुक्रवार को पश्चिमी जापान के नारा में प्रचार भाषण के दौरान पीछे से गोली मार दी गई थी। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी सांसें और दिल की धड़कनें नहीं चल रही थीं। बाद में अस्पताल में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। स्वास्थ्य कारणों से 2020 में पद छोड़ने से पहले आबे जापान के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे थे। शुक्रवार को व्हाइट हाउस की तरफ से जारी एक बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'हम, ऑस्ट्रेलिया, भारत और अमेरिका के नेता जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की हत्या को लेकर स्तब्ध हैं।' नेताओं ने आबे को जापान के लिए और तीनों देशों के साथ जापान के अलग-अलग संबंधों के लिए एक 'परिवर्तनकारी नेता' करार दिया।नेताओं ने कहा, 'उन्होंने (आबे) क्वॉड समूह की स्थापना में भी एक रचनात्मक भूमिका निभाई और एक मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने को लेकर अथक प्रयास किए।' आबे चीन के बढ़ते प्रभाव और सैन्य ताकत का मुकाबला करने के उद्देश्य से बनाए गए क्वॉड समूह के वास्तुकारों में से एक थे।

रूस-यूक्रेन जंग:पुतिन की चेतावनी, बोले- प्रतिबंध जारी रहे तो यूरोप को अंजाम भुगतने होंगे; डोनेट्स्क में रूसी हमले में 5 की मौत

कीव/ मॉस्कोः रूस यूक्रेन जंग के बीच, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के तेवर काफी आक्रामक हो गए हैं। अधिकारियों के साथ एक मीटिंग में उन्होंने यूरोपीय देशों को चेतावनी दे डाली। पुतिन ने कहा- यूरोपीय देशों ने अगर रूस के खिलाफ प्रतिबंध जारी रखे तो वहां के लोगों को अंजाम भुगतने पड़ेंगे। इसका असर तेल और गैस की कीमतों पर पड़ेगा।

वहीं, डोनेट्स्क के 2 शहरों में हुए रूसी हमले में 5 लोगों मारे गए और 3 लोग घायल हो गए। घायलों में 12 साल का एक बच्चा भी शामिल है। यह हमले बाखमुट और सिवर्सक शहर में हुए। जानकारी के मुताबिक, गोलीबारी थमने के बाद 8 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से 5 लोगों ने ढ्ढष्ट में दम तोड़ दिया।

लंबे समय तक प्रतिबंध पहुंचा सकते हैं नुकसान

पुतिन ने मीटिंग में कहा- यूरोपी देश रूस से इंपोर्ट कम करने के तरीके ढूंढ रहे हैं, लेकिन

इससे तेल और गैस के दाम बढ़ेंगे, जिससे उनके ही स्टॉक मार्केट को नुकसान होगा। आम जनता को भी मंहगाई की मार झेलनी पड़ेगी।

फिनलैंड की एक रिसर्च में सामने आया कि यूक्रेन में मिलिट्री ऑपरेशन के 100 दिनों में रूस ने 60फीसदी से अधिक रेवेन्यू यूरोपीय देशों से कमाया। क्योंकि, रूस और यूरोपीय देशों में तेल और गैस को ट्रेड जारी रहा। एक्सपर्ट्स का कहना है कि रूस पर लगाए प्रतिबंध उन देशों पर ही उल्टे पड़ गए जिन्होंने वह प्रतिबंध लगाए। इन सैंक्शन्स को और जारी रखा तो ग्लोबल स्तर पर तेल और गैस के दामों में भारी बढ़ोतरी होगी। जिससे आम आदमी की जेब पर असर पड़ेगा।

पुतिन बोले– हमने अभी असली कार्रवाई शुरु ही नहीं की

अपने सांसदों के साथ मीटिंग में पुतिन ने पश्चिमी देशों को सीधे जंग में शामिल होने का चैलेंज दे दिया था। पुतिन ने कहा था- अगर पश्चिमी देश यूक्रेन का साथ देना चाहते हैं तो हमारे खिलाफ जंग में शामिल हो जाएं। साथ ही, पुतिन ने यह भी दावा किया कि यूक्रेन में हमारी असली मिलिट्री कार्रवाई अभी ठीक से शुरू भी नहीं हुई है।

मस्क ने ट्विटर डील कैंसिल की: बोले- कंपनी ने फेक अकाउंट्स की जानकारियां नहीं दीं; अब देने होंगे 7.9 हजार करोड़ रुपए

वाशिंगटन। टेस्ला के CEO और दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने ट्विटर खरीद डील कैंसिल कर दी। 44 अरब डॉलर (3.37 लाख करोड़ रुपए) की इस डील को खत्म करते समय मस्क ने कहा - कंपनी अपने प्लेटफॉर्म पर मौजूद फेक या नकली ट्विटर अकाउंट्स से जुड़ा डेटा मुहैया कराने में नाकाम रही है।

वहीं, ट्विटर बोर्ड के चेयरमैन ब्रेट टायलो ने कहा है कि समझौते को लागू कराने के लिए हम कोर्ट जाएंगे। मस्क के डील कैंसिल करने के बाद ट्विटर के शेयर्स में 6फीसदी की गिरावट आई है। मस्क को 1 बिलियन डॉलर देने पड़ सकते हैं

ट्विटर और मस्क के बीच हुए खरीद समझौते के मुताबिक, अगर डील कैंसिल की जाती है, तो इस स्थिति में शर्तों के तहत मस्क को 1 अरब डॉलर (7.9 हजार करोड़) की ब्रेक-अप फीस देनी होगी, लेकिन मस्क केवल ब्रेक-अप फीस देकर बच नहीं सकते। समझौते में एक ऐसा प्रावधान शामिल है, जो मस्क को

डील पूरा करने के लिए मजबूर कर सकता है। इसका मतलब यह है कि अब मस्क और ट्विटर के बीच लंबी कानूनी लड़ाई खिंच सकती है। मस्क ने पहले कही थी डील लापस लेने की बात

पिछले महीने ही मस्क ने धमकी दी थी कि अगर यह साबित नहीं होता कि ट्विटर के कुल यूजर्स में से 5फीसदी से कम स्पैम अकाउंट हैं, तो वह डील वापस ले लेंगे। मस्क के वकील ने कहा कि ट्विटर प्लेटफॉर्म पर फेक या स्पैम अकाउंट से जुड़ी जानकारी मांगी गई, जिसका जवाब नहीं दिया गया या मना कर दिया गया। ट्विटर ने समझौते की शर्तों का उल्लंघन किया और गलत जानकारियां दीं।

फेक अकाउंट्स की संख्या 5फीदसी से नीचे लाने की थी शर्त

एलन मस्क की यह शर्त थी कि ट्विटर अपने प्लेटफॉर्म से स्पैम और फेक अकाउंट को 5त्न से नीचे लाए। दूसरी ओर ट्विटर ने कहा था कि वह रोजाना 10 लाख स्पैम अकाउंट डिलीट कर रहा है। मस्क महीनों से शिकायत कर रहे थे कि ट्विटर यूजर बेस में शामिल इन अकाउंट्स की संख्या को हकीकत से कम दिखा रहा है।

हालांकि, कंपनी ने मस्क के दावे को नकारते हुए कहा है कि फेक अकाउंट्स की संख्या कुल यूजर्स की संख्या के 5त्न से कम हैं। मस्क का मानना है कि ट्विटर पर स्पैम अकाउंट्स की संख्या 5त्न से अधिक है।

श्रीलंका में सरकार विरोधी प्रदर्शनों से पहले कई इलाकों से हटाया गया कर्फ्यू

कोलंबो: श्रीलंका में शीर्ष वकीलों के संघ, मानवाधिकार समूहों और राजनीतिक दलों के लगातार बढ़ते दबाव के बाद पुलिस ने शनिवार को सरकार विरोधी प्रदर्शनों से पहले कर्फ्यू हटा लिया है। यह कर्फ्यू सरकार विरोधी प्रदर्शनों को रोकने के लिए कोलंबो सहित देश के पश्चिमी प्रांत में सात संभागों में लगाया गया था। पुलिस के मुताबिक पश्चिमी प्रांत में सात पुलिस संभागों में कर्फ्यू लगाया गया था जिसमें नेगोंबो, केलानिया, नुगेगोडा, माउंट लाविनिया, उत्तरी कोलंबो, दक्षिण कोलंबो और कोलंबो सेंट्रल शामिल हैं। यह कर्फ्यू शुक्रवार रात नौ बजे से अगली सूचना तक लागू किया गया था। पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी)

सी डी विक्रमरत्ने ने घोषणा करते हुए कहा, ''जिन क्षेत्रों में पुलिस कर्फ्यू लागू किया गया है, वहां रहने वाले लोगों को अपने घरों में ही रहना चाहिए और कर्फ्यू का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।' श्रीलंका के बार एसोसिएशन ने पुलिस कर्फ्यू का विरोध करते हुए इसे अवैध और मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करार दिया।बार एसोसिएशन ने एक बयान में कहा, ''इस तरह का कर्फ्यू स्पष्ट रूप से अवैध है और हमारे देश के लोगों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है जो अपने मूल अधिकारों की रक्षा करने में राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और उनकी सरकार की विफलता को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।' श्रीलंका के मानवाधिकार आयोग ने पुलिस कर्फ्यू को मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन बताया है।

पाकिस्तान में फूटा महंगाई बम, सरकार ने गैस कीमतों में की 235 फीसदी वृद्धि

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में शहबाज शरीफ सरकार भी जनता को महंगाई से राहत दिलाने में नाकामयाब साबित हो रही है। आर्थिक मंदहाली की गर्त में डूब चुके पाकिस्तान की जनता ईंधन की कीमतों में बेताहाशा वृद्धि से बदहाल हो रही है। शहबाज सरकार ने बेचारी जनता पर महंगाई का नया बम फोड़ते हुए 1 जुलाई से प्राकृतिक गैस (स्न्न्) की कीमतों में 43 प्रतिशत से 235 प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दे दी है। इस वृद्धि के जरिए अधिकांश घरेलू और अन्य श्रेणियों के उपभोक्ताओं से सरकार 660 अरब पाकिस्तानी रुपये (क्यत्र) वसूलेगी।

देश की बिगड़ती अर्थव्यवस्था के बीच बीते 11 महीनों में पाकिस्तान सरकार का कुल कर्ज 15.3 फीसदी बढ़ गया है। डॉन की रिपोर्ट में स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के हवाले से बताया गया है कि जून 2021 में सरकार का कुल कर्ज 38.704 ट्रिलियन पाकिस्तानी रुपए था, जो मई में बढ़कर 44.638 ट्रिलियन हो गया। पेट्रोलियम राज्यमंत्री मुसादिक मलिक ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'लगभग आधे घरेलू उपभोक्ताओं को गैस की कीमतों में उछाल से बचाया गया है, लेकिन उच्च वर्ग पर बोझ काफी बढ़ गया है।' यह फैसला पाकिस्तान की कैबिनेट की आर्थिक समन्वय समिति ने लिया।

ECC ने उन घरेलू उपभोक्ताओं पर सबसे अधिक बोझ डाला, जिनकी मासिक गैस खपत चार क्यूबिक मीटर तक है। अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, उन्हें अब पांच क्यूबिक मीटर गैस उपभोक्ताओं के साथ जोड़ा गया है। उनके लिए मौजूदा कीमतों से 154 प्रतिशत की वृद्धि होगी। पाकिस्तान के वित्त मंत्रालय ने कहा, 'ईसीसी ने पीकेआर 100 की प्रस्तावित दरों के मुकाबले निर्यात और गैर-निर्यात उद्योग (कैप्टिव पावर) के लिए गैस दरों को और कम करने के निर्देश के साथ उपभोक्ता गैस बिक्री कीमतों में प्रस्तावित संशोधन को मंजूरी दे दी।÷पेट्रोलियम राज्यमंत्री ने कहा कि कीमतों में वृद्धि का उद्देश्य गैस क्षेत्र में सर्कुलर लोन को बढ़ाने से रोकना है. मुसादिक ने कहा, 'कीमतों में अधिक वृद्धि का उद्देश्य इस वित्तीय वर्ष में गैस क्षेत्र में ऋण की बढ़त रोकना है। 'बता दें पाकिस्तान में 2018 से ऊर्जा कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध ने पूरी दुनिया में गैस की कीमतों में इजाफा किया है। वित्तीय क्षेत्र, बजट और वास्तविक अर्थव्यवस्था पर इससे भार पड़ा है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार, मूल्य समायोजन में विलंब, डिफर्ड पेमेंट, प्रमुख निवेश को रोके रखना और गैर-लक्षित सब्सिडी देने सहित कई कारण हैं। देश में बिगड़ते आर्थिक हालात के बीच बीते 11 महीनों में पाकिस्तान सरकार का कुल कर्ज 15.3 फीसदी बढ़ गया है। डॉन अखबार ने बताया है कि जून 2021 में सरकार का कुल कर्ज 38.704 ट्रिलियन पाकिस्तानी रुपए था, जो मई में बढ़कर 44.638 ट्रिलियन रुपए हो गया।

भारत ने कुपोषण दर में सुधार के लिए तेजी से कदम उठाए : यूएन

न्यूयॉर्क : संयुक्त राष्ट्र ने हाल ही में कहा कि भारत द्वारा कुपोषण दर में सुधार के लिए तेजी से कदम उठाए गए हैं । संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार 2006 और 2016 के बीच देश में पांच साल से कम उम्र के बच्चों में स्टंटिंग 48 प्रतिशत से घटकर 38 प्रतिशत हो गया है। सरकार के पास बड़े खाद्य सुरक्षा और गरीबी विरोधी कार्यक्रम हैं। 2016 में भारत एक शुद्ध खाद्य निर्यातक बनने के लिए खाद्य सहायता पर निर्भरता से दूर हो गया है। खाद्यान्न उत्पादन में पांच गुना वृद्धि के साथ 1950-51 में 50 मिलियन टन से बढ़कर 2014-15 में लगभग 250 मिलियन टन हो गया। सरकार ने 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए। ये विशेष रूप से वर्षा आधारित क्षेत्रों में अधिक कृषि उत्पादकता के लिए बाधाओं को दूर करने का प्रयास करते हैं। इनमें राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई), तिलहन, दलहन, ताड़ के तेल और मक्का पर एकीकृत योजनाएं (आईएसओपीओएम), प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, ई-मार्केटप्लेस, साथ ही बड़े पैमाने पर सिंचाई और 2017 तक देश के सकल सिंचित क्षेत्र को 90 मिलियन हेक्टेयर से बढ़ाकर 103 मिलियन हेक्टेयर करने के लिए मिट्टी और जल संचयन कार्यक्रम शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक भारत सरकार ने पिछले दो दशकों में कुपोषण से निपटने के लिए भी महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जैसे स्कूलों में मध्याह्न भोजन की शुरुआत, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं को राशन प्रदान करने के लिए आंगनवाड़ी प्रणाली, और गरीबी रेखा के नीचे रहने वालों के लिए रियायती सार्वजनिक वितरण प्रणाली आदि शुरू की।

शिंजो आबे का 12 जुलाई को अंतिम संस्कार, जापानी नेताओं की सुरक्षा बढ़ी

टोक्यो। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे का अंतिम संस्कार मंगलवार 12 जुलाई को किया जाएगा। शिंजो की हत्या के बाद दुनिया भर में शोक की लहर है। इस बीच जापान के प्रधानमंत्री ने जापानी राजनेताओं की सुरक्षा बढ़ा दी है। दुनिया के लोकप्रिय नेताओं में शामिल जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की हत्या से पूरी दुनिया अवाक रह गयी है। पूरी दुनिया में लोग आबे को

श्रद्धांजलि दे रहे हैं। जापान के जिस नारा शहर में आबे की हत्या हुई थी, वहां से अब उनके शव को जापान की राजधानी टोक्यो लाया गया है। 12 जुलाई को उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। उनके अंतिम संस्कार में दुनिया भर से राजनेताओं व अन्य प्रमुख लोगों के जुटने की उम्मीद है।

इस हत्याकांड से जापान के राजनेताओं में दहशत है। प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने अपनी सरकार के सभी कैबिनेट मंत्रियों और देश के अन्य राजनेताओं की सुरक्षा बढ़ाने का आदेश दिया है। किशिदा ने अधिकारियों से आतंकवाद और हिंसा के आगे कभी नहीं झुकने की बात भी कही है। इस बीच चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शिंजो आबे की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया। शी ने कहा कि आबे ने पड़ोसियों के बीच संबंधों को सुधारने के लिए कड़ी मेहनत की थी।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
Title UPHIN 29506
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

यूक्रेन पर हमले के 136 दिन: रूस ने रिहायशी इलाकों में बरसाए बम

कीव। यूक्रेन पर रूसी सेनाओं के हमले के 136 दिन हो गए हैं, किन्तु रूस का आक्रामक रुख कम होने का नाम नहीं ले रहा है। रूस ने अचानक हमला तेज कर रिहायशी इलाकों में बमबाजी शुरू कर दी। इससे पांच लोगों की मौत हो गयी और बड़ी संख्या में लोग घायल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 24 फरवरी को शुरू हुई रूस और यूक्रेन के बीच की जंग थमने का नाम नहीं ले रही है।

इसके कारण अब तक लगभग 15 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 4000 से अधिक आम नागरिकों की मौत हुई है जबकि 10 हजार से

अधिक सैनिक मारे गए हैं। जान माल के अत्यधिक नुकसान के बावजूद रूस लगातार जोरदार हमले कर रहा है। अब रूस ने पूर्वी यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्किव के रिहायशी इलाकों में बम बरसाए हैं। इस बमबारी में पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद से दोनों देशों में तनाव और बढ़ गया है।

इस बीच पश्चिमी देशों की ओर से यूक्रेन की मदद पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने उन्हें युद्ध में सीधे शामिल होने की चुनौती दी है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा है कि अगर पश्चिमी देश यूक्रेन का साथ देना चाहते है तो हमारे खिलाफ जंग में सामने से शामिल हो जाएं। पुतिन ने कहा कि रूस पर प्रतिबंधों के कारण यूक्रेन के साथ शांति वार्ता करना कठिन होता जा रहा है। पश्चिमी देश खुद लड़ाई में शामिल न होकर यूक्रेन के लोगों को लड़ने के लिए आगे कर रहे हैं।

ब्रिटेन में बोरिस जॉनसन की ट्रोलिंग :इस्तीफे के बाद उनकी स्टेच्यू जॉब सेंटर के बाहर रखी गई, लोग बोले– उन्हें नौकरी की जरूरत

लंदनः ब्रिटेन की संसद में कंजर्वेटिव पार्टी के लीडर पद से रिजाइन करने के बाद बोरिस जॉनसन अब लोगों के बीच सेंटर ऑफ अट्रैक्शन बन गए हैं। इसकी वजह है उनकी वैक्स स्टैच्यू। दरअसल, जॉनसन की एक वैक्स स्टैच्यू जॉब सेंटर के बाहर दिखाई दी। यह मूर्ति ब्लैकपूल स्थित मैडम तुसाद म्यूजियम से निकालकर जॉब सेंटर के बाहर रख दी गई। मैडम तुसाद की वैक्स स्टैच्यू बारीकियों के लिए जानी जाती है। जॉनसन की जिस स्टैच्यू को जॉब सेंटर के बाहर रखा गया है, उसमें वे कमर पर हाथ रखे हुए हैं। सूट और ब्लू टाई पहने हुए हैं।

सोशल मीडिया पर उड़ रहा मजाक

जॉब सेंटर के बाहर रखी गई बोरिस की मूर्ति वाली खबर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। कुछ लोग मूर्ति के साथ सेल्फी लेते नजर आए। तो कुछ लोगों का हंस-हंसकर बुरा हाल हो हो गया। एक यूजर ने फोटो पोस्ट करते हुए लिखा- इस्तीफे के बाद आज बोरिस जॉनसन जॉब सेंटर के बाहर दिखाई दिए।

दूसरे यूजर ने लिखा- शानदार काम। एक अन्य यूजर ने हंसने वाले इमोजी के साथ लिखा- ब्लैकपूल मैडम तुसाद ने बोरिस जॉनसन की वैक्स स्टैच्यू जॉब सेंटर के बाहर रख दी है। मैं अपनी हंसी रोक नहीं पा रही हूं।

मार्च में लाई गई थी स्टैच्यू

जॉनसन की जिस वैक्स स्टैच्यू को मैडम तुसाद म्यूजियम से निकाला गया, उसे मार्च में ही ब्लैकपूल लाया गया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इसे बनाने में 8 महीने का वक्त लगा था। 20 मूर्तिकारों ने मिलकर इसे बनाया था।

10 डाउनिंग स्ट्रीट के दरवाजे पर लगाया 'वेकेंसी' का बोर्ड

लंदन स्थित मैडम तुसाद म्यूजियम में भी जॉनसन की स्टैच्यू है। म्यूजियम में जहां ये स्टैच्यू रखी गई है, उसके ठीक पीछे 10 डाउनिंग स्ट्रीट स्थित प्रधानमंत्री निवास की झांकी बनी है। यहां दरवाजे पर 'वेकैंसी' का बोर्ड भी लगा दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि बोरिस अब ब्रिटेन के

प्रधानमंत्री नहीं है। इसलिए जल्द ही म्यूजियम में रखी उनकी स्टैच्यू को बाहर निकाल दिया जाएगा।

जॉनसन ने 7 जुलाई को पद से इस्तीफा दिया- ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन आए दिन कोई न कोई स्कैंडल को लेकर सुर्खियों में बने रहते हैं। इसके चलते 7 जुलाई को उन्होंने संसद में कंजर्वेटिव पार्टी के लीडर पद से रिजाइन कर दिया था। हालांकि, अक्टूबर में नया नेता चुने जाने तक वो बतौर प्रधानमंत्री काम करते रहेंगे। इस्तीफे की सबसे बड़ी वजह 30 जून को डिप्टी चीफ व्हिप पोस्ट पर क्रिस पिंचर का अपॉइंटमेंट था। पिंचर सेक्स स्कैंडल में फंसे थे। ये सब जानते हुए भी बोरिस ने उन्हें डिप्टी चीफ व्हिप बनाया था।